हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 21 अप्रैल 2024

कांग्रेस झूठ बोलने, भ्रम फैलाने का काम करती है, जनता को केवल मोदी पर भरोसा

प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव से डॉ. हिमांशु द्विवेदी का चुनावी संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव का कहना है, प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद जिस तरह से हमारी सरकार ने बहुत ही कम समय में मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है, उससे भरोसा है कि इस लोकसभा चुनाव में जनता प्रदेश की सभी 11 की 11 सीटें भाजपा की झोली में डालने का काम करेगी। जनता कांग्रेस का खाता भी खुलने नहीं देगी। प्रस्तुत है हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चुनावी संवाद में हुई उनकी बातचीत-

हरिभूमि खास

क्या देख रहे हैं इस लोकसभा चुनाव में?

ये लोकसभा का चुनाव नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए विकसित भारत के निर्माण का यह चुनाव है। पिछले दस सालों में नरेंद्र मोदी ने आम लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। लोगों की जरूरत को पूरा करने का काम किया है। लोगों को लगता है सपनों का भारत कैसा होना चाहिए, उस दिशा में देश बढ़ रहा है। हर वर्ग के लिए श्री मोदी ने योजनाएं बनाकर काम किया। आज आम आदमी भी चाहता है कि नरेंद्र मोदी फिर से देश के प्रधानमंत्री बनें। 2047 के विकसित भारत के निर्माण को गति प्रदान करें।

जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं, उन कांग्रेसियों को भाजपा में क्यों लिया जा रहा है?

क्या ऐसा कोई उदाहरण है जिसमें कोई भ्रष्टाचारी भाजपा में आया हो मदद पाने के लिए या उनको भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा ने मदद की है, ऐसा नहीं है। जो भाजपा में आ रहे हैं, उसके पीछे कारण यह है कि कांग्रेस में आज नेतृत्व नहीं है, कांग्रेस से उनके नेताओं का मोह भंग हो गया है, उनको समझ आ गया है कि इस पार्टी में अब करने लायक कुछ नहीं है। आज मल्लिकार्जुन खड़गे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन यात्रा किनके नेतृत्व में निकल रही है, राहुल गांधी के। क्या हैं राहुल गांधी। इनके पास न नेतृत्व है, न नीयत है न काम है। इसकी वजह से कांग्रेस के लोग पार्टी छोड़कर भाजपा में आ रहे हैं।

ईवीएम मशीन को लेकर कहते हैं, उसके कारण भाजपा जीतती है?

झूठा बोलने का काम ही तो कांग्रेस करती है। यह भ्रम फैलाने का भी काम करती है। 2018 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ को कांग्रेस में 68 सीटें मिली थीं। उस समय प्रदेश में भाजपा की सरकार थी, तो क्या इन लोगों ने ईवीएम को मैनेज करके चुनाव जीता था। सच्चाई यह है कि जब ये हारने वाले होते हैं तब ईवीएम पर सवाल खड़ा करते हैं। दुनिया कहां से कहां जा रही है, ये फिर से बैलेट पेपर पर चुनाव की बात करते हैं। यह कहीं से प्रमाणित नहीं हुआ है कि ईवीएम के साथ कोई छेड़छाड़ कर सकता है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। ▶▶| शेष पेज 4 पर

INDIAN PREMIER LEAGUE 2024 स्कोर बोर्ड

हैदराबाद 266/7 Vs दिल्ली 199/10

67 रन से जीती सनराइजर्स

89 रन, ट्रेविस हेड
प्लेयर ऑफ द मैच

आज के मैच

बेंगलोर Vs कोलकाता
समय : दोपहर 3.30 बजे

पंजाब Vs गुजरात
समय : शाम 7.30 बजे

सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं पत्रकार सौम्या की मां

नई दिल्ली। टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर उसकी हत्या के चार दोषियों को दी गई जमानत का विरोध किया है। सौम्या की 2008 में हत्या कर दी गई थी।

सरकारी दफ्तरों में लग गए ताले, कई शॉपिंग मॉल बंद

दुबई में 75 साल में पहली बार तबाही वाली बारिश, बुर्ज खलीफा को बंद करना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुबई

हरिभूमि के लिए दुबई से बीजॉय ओमेन

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

आमतौर पर दुबई में बारिश के नाम पर हल्की बौछारें पड़ती हैं, लेकिन सोमवार को दुबई में जो नजारा दिखा, ऐसा नजारा मैंने तो दुबई में कभी नहीं देखा। मैं मूल रूप से भारतीय हूं और 22 साल से यहां रहा हूं। पहली बार यहां पर तबाही की बारिश देखी है। यहां के लोग भी कह रहे हैं 75 साल में कभी ऐसा मंजर देखने को नहीं मिला। बारिश ऐसी की बुर्ज खलीफा को बंद करना पड़ा, शापिंग मॉल से लेकर पूरा बाजार बंद हो गया। सरकारी दफ्तरों में ताले लग गए।

सरकार ने सरकारी अधिकारियों के लिए आदेश जारी किया, जो जहां पर है, वहीं से वर्क फ्रॉम होम करे और अपना काम करते रहे। दुबई के साथ पूरा संयुक्त अरब अमीरत प्रभावित हो गया। अब जनजीवन वापस पटरी पर लौट रहा है, लेकिन शारजाह के दो स्थानों पर अब भी पानी भरा हुआ है। दुबई में 22 साल से रह रहे भारतीय बी जॉय ▶▶| शेष पेज 4 पर

24 घंटों में तीन साल जितनी बारिश

दुबई में जो बारिश हुई है, उसके बारे में यहां के मौसम वैज्ञानिक बता रहे हैं कि आमतौर पर यहां पर सालभर में 80 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं होती, लेकिन यहां पर महज 24 घंटों में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई है। इसका मतलब तो यह हुआ है कि तीन साल जितनी बारिश 24 घंटों में हो गई है।

एयर इंडिया ने रद्द की उड़ानें

एयर इंडिया ने भारी वर्षा के चलते दुबई के लिए रविवार तक की अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइंस ने कहा, जिन ग्राहकों ने 21 अप्रैल तक यात्रा के लिए उड़ानें बुक की हैं, उन्हें पुनर्निर्धारण पर एक बार की छूट और टिकट रद्द कराने पर पूर्ण रिफंड दिया जाएगा।

अब हालात सुधर रहे हैं

इतनी बारिश की न तो संभावना थी न आशंका। यूं कहिए कि यहां कम बारिश होती है तो तैयारी भी वैसी ही थी। लेकिन इस आपदा से जिस तरह प्रशासन ने निपटा वह सराहनीय ही है। दो दिन में ही सबकुछ सामान्य होने लगा है। पानी उतर गया है। मॉल और शापिंग काम्पलेक्स में फिर से रौनक लौट रही है। शारजाह में कुछ जगह पानी भरने की खबरें हैं लेकिन दुबई में सबकुछ पटरी पर लौट रहा है। शारजाह से बहुत सारे लोग दुबई काम करने के लिए आते हैं और शाम को लौट जाते हैं। शारजाह में पानी भरने का प्रभाव उन पर पड़ रहा है। उम्मीद है यह भी कुछ दिन में ठीक हो जाएगा।

शराब घोटाला मामला

पूर्व आईएएस टूटेजा व बेटा यश को ईडी ने लिया हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- अनिल टूटेजा और उनका बेटा शराब धोटाला मामले में ईओडब्लू में अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे थे

शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू कार्यालय में बयान दर्ज कराने पहुंचे पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा और उनके बेटे यश टूटेजा को ईडी ने पूछताछ करने शनिवार को हिरासत में लिया है। ईडी के टीम ने बाप-बेटे को ईओडब्लू ऑफिस में बयान दर्ज कराने के बाद कार्यालय से बाहर निकलने के दौरान हिरासत में लिया है। हिरासत में लेने के बाद ईडी के टीम पूर्व आईएएस ▶▶| शेष पेज 4 पर

70 के खिलाफ अपराध दर्ज

गौरतलब है कि ईडी के प्रतिवेदन पर ईओडब्लू शराब घोटाला मामले में 70 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। शराब घोटला को लेकर जेल से जमानत पर रिहा होने के तत्काल बाद तीन अप्रैल को ईओडब्लू की टीम ने अरविंद सिंह तथा उसके दूसरे दिन अनवर ढेबर को गिरफ्तार किया, इसके बाद ईओडब्लू की टीम ने बिहार से आबकारी विभाग के पूर्व एमडी एपी त्रिपाठी को बिहार ▶▶| शेष पेज 4 पर

पहले से तैयार थी ईडी

अनिल टूटेजा तथा उनके बेटे को ईओडब्लू ने पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया था, इसकी जानकारी ईडी के अफसरों को पहले से थी। इसके बाद ईडी की टीम ने दोपहर से ही ईडी कार्यालय के सामने तथा पीछे की तरफ डेरा डालकर अनिल तथा यश के ईओडब्लू कार्यालय से निकलने का इंतजार किया। ईडी के अफसरों को देख दोनों पिता-पुत्र लौटे, इसके बाद ईडी की टीम ने दोनों को अपनी हिरासत में लिया।

कहा-आम आदमी की कोई नहीं सुनता, इसलिए लड़ रहा हूं चुनाव

झाड़ू-पोंछा की डंडी बेच जुटाए 25 हजार चुनावी मैदान में ठोंकी फेरीवाले ने ताल

मैंने राजनीति से जुड़कर भी देखा, वे सब कार्यकर्ताओं का उपयोग करते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

चुनाव विशेष

मैं सक्रिय राजनीति में रहा हूं। कई नेताओं से जुड़ा रहा। महसूस किया है कि यहां आम आदमी की कोई सुनवाई नहीं होती। नेता भी केवल उपयोग करते हैं। मैं कोई इतना बड़ा आदमी नहीं हूं कि चुनाव लड़ने के लिए 25 हजार खर्च कर सकूं। बीपीएल कार्ड धारी हूं। लेकिन मैंने कई महीने की मेहनत के बाद पैसों का ▶▶ शेष पेज 4 पर

25 हजार के सिक्के से खरीदा फार्म

बिलासपुर। पार्षद चुनाव में सिर्फ 12 वोट पाकर भी हिम्मत नहीं हारे और अब लोकसभा चुनाव में दावेदारी कर रहे हैं पंडित अनिमेष मिश्रा। बिलासपुर के कुदुदण्ड निवासी अनिमेष मिश्रा पुजारी हैं। लोकसभा चुनाव के लिए सिक्कों से भरी बोरी लेकर नामांकन पत्र लेने और जमा करने पहुंचे अनिमेष को अधिकारियों ने लौटा दिया था। इसके बाद चुनाव आयोग के निर्देश पर 25 हजार रुपए के सिक्के से फार्म खरीदा।

प्रिंस के पास 5 हजार, चुनाव में बजाएंगे डंका, गृहणी उर्मिला ने ताल ठोंका

अम्बिकापुर। सरगुजा लोकसभा सीट से भाजपा – कांग्रेस के अतिरिक्त विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने अपना नामांकन फार्म जमा किया है। लोकसभा चुनाव में दावेदारी करने वाले 7 उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े हैं। जबकि 5 ऐसे उम्मीदवार हैं जो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना फार्म भरे हैं। लोकसभा चुनाव में अपना भाग्य आजमाने वाले उम्मीदवारों में ऐसे लोग भी है जिनके पास धन-संपत्ति और ना ही बैंक बैलेंस है लेकिन वे चुनाव में दो-दो हाथ करने के लिए काफी उतावले हैं। सरगुजा लोकसभा सीट से दावेदारी करने वाली लखनपुर निवासी श्रीमती उर्मिला सिंह घरेलू महिला है। उनके पति किराना की छोटी सी दुकान चलाते हैं। उन्होंने स्नातक तक की है। उनके पास नगद व बैंक में 50 हजार रुपए है। उर्मिला सिंह का कहना है कि चुनाव का प्रचार काफी खर्चीला है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने की जरूरत ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए मजबूर किया।

गोवर्धन खुद चस्पा रहे अपने पोस्टर

रायगढ़। चुनाव के वक्त हर सरकार किसान और मजदूर के भले की बात जरूर कहती है लेकिन रायगढ़ के मजदूरों की दशा ये बता रही है कि उनका पूरा जीवन दो वक्त की रोटी के जुगत मे ही खाते हुए खत्म हो रहा है। मजदूरों की इसी पीड़ा को भोगकर मन में चुनाव लड़ने का संकल्प करते हुए इस बार रायगढ़ लोकसभा से एक आदिवासी महिला पूजा सिदार ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं खरसिया विधानसभा के एक अन्य अति लघु किसान उम्मीदवार गोवर्धन राठिया अपने चुनाव प्रचार के पोस्टर भी खुद ही लगा रहे हैं। धरमजयगढ़ विधानसभा के घरघोड़ा ब्लाक अंतर्गत बहिरकेला निवासी पूजा सिदार और उनके पति लोकनाथ सिदार दोनों कामगार मजदूर हैं और आस पास काम दूंढकर अपना परिवार पाल रहे हैं। सत्ता और सियासत के दावे तथा वालों के बीच आशा तथा नाउम्मीदी के साथ पीढ़ियों से मजदूरी और अभाव ग्रस्त जीवन को करीब से जी रहे सिदार दम्पत्ति ने साल भर पहले ही चुनाव में उतरने का इरादा बना लिया था। निर्दलीय उम्मीदवार श्रीमती पूजा सिदार ने बताया कि लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारी के लिए लगने वाले नामांकन शुल्क को उन्होंने अपने पति के साथ रोजी मजदूरी कर जमा किया है।

हरिभूमि **रण भूमि** लोकसभा **सत्ता संग्राम-2024**

लोगों ने कहा - धमतरी को उनसे काफी उम्मीदें

लोगों में उत्सुकताः कहा-मोदी ही संभाल सकते हैं देश को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के धमतरी आगमन से आम लोगों में खासा उत्साह है। मोदी को सुनने तथा देखने की ललक युवा, महिला सभी वर्ग में देखने को मिल रही है। आम लोगों के बीच हो रही चर्चाओं पर अगर गौर किया जाए तो लोगों को विश्वास है कि देश को सिर्फ मोदी ही संभाल सकते हैं। सुभाषनगर निवासी भगवती साहू का कहना है कि प्रधानमंत्री का धमतरी में सभा होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मोदी ही देश को संभाल सकते हैं। हम 1 लाख रुपए सालाना लेकर देश को गर्त में जाते नहीं देख सकते।

मोदी 23 को आएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 को जांजगीर-चांपा और महासमुंद लोकसभा में चुनावी सभाएं लेंगे। सक्ती विधानसभा में दोपहर 3.15 पर एवं धमतरी में शाम पांच बजे श्री मोदी की सभा होगी। पीएम मोदी के आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर चाक चौबंध व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

अशोक सिंह राजपूत

वासुदेव देवांगन

भगवती साहू

जगतरात साहू

कुबेर ठाकुर

निर्भय साहू

पिछड़े हुए धमतरी को मोदी से काफी उम्मीदें

हाऊसिंग बोर्ड धमतरी निवासी अशोक सिंह राजपूत का कहना है कि धमतरी में मोदी के आगमन से कांकेर, महासमुंद लोकसभा सीट के मतदाताओं पर व्यापक असर पड़ेगा। समय के साथ पिछड़े हुए धमतरी को उनसे काफी उम्मीदें हैं।

- मोदी को सुनने तथा देखने की ललक युवा, महिला सभी वर्ग में देखने को मिल रही है

देश सुरक्षित हाथों में है

ग्राम लोहरसी निवासी वासुदेव देवांगन ने कहा कि वह कांग्रेस की विचारधारा वालों में से एक हैं लेकिन मोदी के काम और दिन-रात मेहनत ने उसे प्रभावित किया है। मोदी के टक्कर में अभी कोई नेता नहीं है। देश सुरक्षित हाथों में है।

महिला सम्मान के साथ जीवन बसर कर रही हैं

हटकेशरवासी निर्भय साहू ने कहा कि स्वच्छता अभियान चलाकर मोदी ने गांव, शहर की गंदगी खत्म कर दी है। स्वच्छता दीदियों को सफाई की जिम्मेदारी दी गई। इससे उन्हें रोजगार मिला। मोदी के राज में महिला सम्मान के साथ जीवन बसर कर रही हैं।

मोदी का आना किसी सौभाग्य से कम नहीं

जगतरात साहू ने कहा कि धमतरी कृषि प्रधान जिला है। यहां बड़ी इंडस्ट्रीज की आवश्यकता है। मोदी के आने से लोगों में उत्साह है। भविष्य में धमतरी को बड़ी सौगात मिल सकती है। जिले में मोदी का आना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

प्रधानमंत्री पीएम मोदी के आगमन से उत्साह

इंदिरा नगर निवासी कुबेर ठाकुर मोदी के आगमन से काफी खुश हैं। आज उसका पक्का मकान बन गया है। यह उसने सपने भी नहीं सोचा था।

आमने/सामने

टूरिस्ट की तरह पॉलिटिक्स करते हैं राहुल-प्रियंका-ओपी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रियंका गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर कहा, प्रियंका और राहुल गांधी टूरिस्ट की तरह पॉलिटिक्स करते हैं। दोनों नेता पार्ट टाइम पॉलिटिशियन है। राहुल और प्रियंका कभी-कभी राजनीतिक पर्यटन के लिए छत्तीसगढ़ आ जाते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ को अपना एटीएम बनाकर लूटा है। थोड़ा बहुत आकर्षण बचा है इसलिए टूरिज्म के लिए आ रहे हैं। गांधी परिवार की राजनीति को स्वीकार करने के लिए जनता तैयार नहीं है।

ओपी एक्सीडेंटल पॉलिटिशियन-बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, ओपी चौधरी एक्सीडेंटल पॉलिटिशियन हैं। उन्हें अनुभव की कमी है। राहुल-प्रियंका के दौरे से भाजपा में डर पैदा हो गया है, इसलिए वे उनका उपहास उड़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 10 साल सत्ता में रहने के बाद नरेंद्र मोदी के पास आज भी कांग्रेस को कोसने के सिवा कहने बताने को और कुछ नहीं है। कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको गिनाये, कोई बड़ी उपलब्धि नहीं, जिसके नाम पर वोट मांग सकें।

भूपेश गमछा, टोपी और हल्का भोजन और संतोष पांडेय गर्मी से बचने के लिए जेब में रख रहे हैं प्याज

- बघेल ने कहा जनता और कार्यकर्ता भी जुटे हैं, उन्हें देख मिलती है ऊर्जा
- संतोष पांडेय चना -मुर्रा, खीरा, चिवडा का स्वल्पाहार कर घूम रहे गांव-गांव

गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। आसमान तप रहा है और जमीन गर्म है। हाल यह है कि दोपहर को घर से निकलना दूभर हो रहा है। ऐसी भीषण गर्मी में लोकसभा उम्मीदवार घूम भी रहे हैं और चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। हरिभूमि ने राजनांदगांव प्रत्याशी भूपेश बघेल और संतोष पांडेय की दिनचर्या जानी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

भीषण गर्मी के बावजूद प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजनांदगांव लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल का हौसला कम नहीं हो रहा है वे पिछले 15 दिनों से एक दिन में 30 गांवो में न सिर्फ जनसंपर्क कर रहे है बल्कि सभाओ के जरिए वे ग्रामीण मतदाताओं से सीधे संवाद की स्थिति भी निर्मित कर रहे है। गर्मी से बचने वे गमछा, टोपी और हल्का भोजन लेकर वे गांवों का दौरा कर रहे है।

जनसंपर्क से देर रात वापसी

कार्यकर्ताओं के साथ आज शुक्रवार को साल्हेवारा इलाके में दौरे के दौरान उन्होंने हमेशा की तरह भाजपा कार्यकर्ता के यहां दोपहर का भोजन किया। रास्ते में स्वल्पाहार के रूप में चना, मुर्रा, चिवडा, मौसमी फल का भी उपयोग वे कार्यकर्ताओं के साथ करते देखे गए। श्री पांडे ने चर्चा के दौरान बताया कि वे सुबह 9-साढ़े 9 बजे सेंटर से निर्धारित ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं से जनसंपर्क करने के लिए निकल पड़ते हैं और देर रात वापस सेंटर पहुंचते हैं। भीषण गर्मी के बीच स्वयं को फिट रखने के लिए हल्का भोजन फल-शीतल जल का उपयोग करते हैं। रात गुजरी नहीं रहती और दूसरे दिन के दौरे की तैयारी शुरू हो जाती है। रात में कुछ घंटे विश्राम करते हैं।

पानी, खीरा, नारियल पानी रास्ते का सहारा

घरों में, रास्तों में एवं गांव के चौक-चौराहों में जहां लोग मिल जाते हैं, वहां वे रूककर न सिर्फ बातचीत कर अपने पक्ष में मतदान और आशीर्वाद की अपील करते नजर आते हैं। सिर पर तेज धूप से बचने के लिए गमछा बांधे पसीने से तरबतर अपने कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर दस्तक देना भी नहीं भूलते। इस बीच भीषण गर्मी से स्वस्थ रहने के लिए खीरा, केला, नारियल पानी एवं पानी का कुछ समय के अंतराल में सेवन करते हैं।

भूपेश गर्मी से बचने के लिए टोपी और गमछा

भिलाई स्थित अपने निवास स्थान से सुबह नौ बजे राजनांदगांव के लिए रवाना होने के पहले श्री बघेल ने हल्का नाश्ता किया। इसके बाद वे काफिले के साथ राजनांदगांव के लिए रवाना हुए। जनसंपर्क के लिए जैसे ही वे पहले गांव कबीरधाम के पनेका पहुंचे उन्होंने टोपी पहनी और गमछा डालकर वे ग्रामीणों से रूबरू हुए। सुबह नौ बजे से रात 12 बजे तक वे करीब तीस गांवों का दौरा कर रहे है। वे कहते है कि ग्रामीणों के साथ बैठकर बातचीत करने में ही उनकी थकान मिट जाती है। उनका कहना है कि ग्रामीणों का उत्साह देखकर उन्हें बेहद खुशी मिलती है। दौरे के बीच जैसे ही दोपहर हुई उन्होने कबीरधाम के सूखाताल गांव में रूककर अपने कार्यकर्ता के घर में भोजन किया। भीषण गर्मी के बाद भी गांवों में अच्छी खासी भीड़ भी दिखाई दी। भोजन के बाद वे भालु चुवा गांव के लिए रवाना हुए। हर गांव में करीब 20 मिनट रूकने के बाद वे सीधे ग्रामीणों से रूबरू होते रहे। शाम को उन्होंने खैरबना गांव में एक कार्यकर्ता के घर में चाय पी। देर रात तक दौरे के बाद भी श्री बघेल के चेहरे में थकान दिखाई नहीं दे रही थी। वे कहते है कि पिछले एक माह से लगातार दौरे में उन्हें अच्छा खासा समर्थन मिल रहा है। वे कहते है कि जिस गांव में भी वे जा रहे है वहां के लोग यहीं कह रहे है कि उन्होने आज तक सांसद को नहीं देखा है।

संतोष पांडेय रखते हैं जेब में प्याज

राजनांदगांव। भभकती गर्मी के बीच मतदाताओं से रूबरू जनसंपर्क करने के लिए भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे सुबह नौ बजे सेंटर से ग्रामीण इलाकों के लिए निकल पड़ते हैं। धूप का असर और लू से बचने के लिए वे अपने कुर्ते के जेब में गोंदली (प्याज) रखना नहीं भूलते। वहीं रास्ते में चना-मुर्रा, खीरा, चिवडा का स्वल्पाहार कर मतदाताओं के दरवाजे तक पहुंच रहे हैं। अप्रैल माह के मध्यान्ह में गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। तापमान लगभग 42 डिसे तक पहुंच रहा है। ऐसे में समीप लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे गांव-गांव एवं घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से रूबरू होकर आशीर्वाद लेने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। श्री पांडे सुबह लगभग 9-साढ़े 9 बजे से जनसंपर्क में निकल जाते हैं और देर रात तक अपने सेंटर में वापस लौट पड़ते हैं।

मोदी चाहते हैं चीन का माल भारत में बिके और अरबपतियों को फायदा होः राहुल गांधी

अमरोहा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि चीन का माल भारत में बिके और अरबपतियों को उसका फायदा हो। राहुल गांधी ने विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया' गठबंधन के उत्तर प्रदेश में प्रमुख घटक सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ अमरोहा में कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अली के समर्थन में मंच साझा किया। राहुल ने जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, ''नरेन्द्र मोदी एक तरफ 'मेक इन इंडिया' कहते हैं और दूसरी तरफ जो लोग मेक इन इंडिया कर सकते हैं जैसे छोटे व्यापारी, कारीगर उनके लिए वो नोटबंदी और जीएसटी कर देते हैं। वह उनको खत्म कर देते हैं।'' गांधी ने मोदी पर आरोप लगाया कि, ''...उनको कोई 'मेक इन इंडिया' नहीं चाहिए...उन्हें सिर्फ 'मेक इन चाइना' चाहिए...क्योंकि

वो चाहते हैं कि चीन का माल भारत में बिके और अरबपतियों को उसका फायदा हो...।

जीएसटी का पैसा आपकी जेब से जाता है

जीएसटी के बारे में गांधी ने कहा, ''पैसा कहां से आता है? जीएसटी से आता है...आपका पैसा है...आप अगर 500 रुपये की शर्ट खरीदते हो तो जितनी जीएसटी आप देते हो, उतनी ही जीएसटी अडाणी देते हैं...आपकी आय हजारों में है, उनकी हजारों करोड़ में...मगर जितनी जीएसटी आप देते हो, उतनी जीएसटी वो (अडाणी) देते हैं...ये भारत की सच्चाई है...ये 20-25 बड़े अरबपति चीन का माल भारत में बेचते हैं...।

स्ट्रांग रूम में सुरक्षित ईवीएम

मदुरई। प्रथम चरण की वोटिंग के बाद मतदान केंद्रो से आईं इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों को प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग में रखवाया गया।

मतदाता जागरुकता अभियान....

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रेल को देश के कई राज्यों में वोटिंग होना है। मतदाताओं को मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने तथा अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए जागरुक करतीं महिलाएं।

गठबंधन में गांठ, ममता बोलीं- कांग्रेस-सीपीआईएम पर वोट बर्बाद मत करना

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी ने एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया और लोगों से इन दोनों पार्टियों को वोट नहीं देने की अपील की। ममता ने मुर्शिदाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लोगों से कहा कि वो कांग्रेस और सीपीआईएम पर वोट बर्बाद न करें।

कांग्रेस व सीपीआईएम भाजपा के लिए काम कर रहीं : ममता ने कहा, पश्चिम बंगाल में

- दीदी का दावा- मैंने बनाया इंडिया गठबंधन

कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यहां तक कि गठबंधन का नाम भी मेरे द्वारा दिया गया था, लेकिन यहां बंगाल में सीपीआईएम और कांग्रेस भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। अगर आप भाजपा को हराना चाहते हैं तो कांग्रेस और सीपीआईएम के पक्ष में अपना वोट डालकर इसे बर्बाद न करें।

बंगाल में अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं कांग्रेस-टीएमसी

वैसे तो कांग्रेस और टीएमसी दोनों ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन बंगाल में दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। यहां टीएमसी कांग्रेस को 2-3 सीटें देने को तैयार थी, लेकिन कांग्रेस ज्यादा सीटों पर अड़ी हुई थी। गठबंधन पर सहमति नहीं बनने के पीछे कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की बयानबाजी को भी वजह माना जा रहा है।

सीएम पिनाराई बोले राहुल से- धमकी मत दो, जेल जाने से नहीं डरते, तुम्हारी दादी ने भी भेजा था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लेफ्ट और कांग्रेस दोनों ही इंडिया गठबंधन के घटक राजनीतिक दल हैं लेकिन केरल में दोनों ही एक दूसरे के खिलाफ चुनावी ताल ठोक रहे हैं। केरल के वायनाड से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी चुनावी मैदान में हैं और इसको लेकर लेफ्ट लगातार नाराजगी जारी करते रहे हैं। यहां से सीपीआईएम ने एनी राजा को सियासी मैदान में उतारा है। केरल के ही मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन लगातार राहुल पर हमलावर हैं और अब उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को यादकर कांग्रेस को निशाने पर लिया है। पिनाराई विजयन ने राहुल

- इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ने राहुल को सुनाई खरी-खरी

गांधी पर हमलावर होते हुए पूछा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी क्यों नहीं की है।

पिनाराई के लिए ये बोले थे राहुलः बता दे कि राहुल ने कहा था कि पिनाराई से ईडी ने 55 घंटे तक पूछताछ की थी और दो मुख्यमंत्री जेल में हैं लेकिन केरल में विजयन के साथ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

इंदिरा का नाम लेकर बोला राहुल पर हमला

विजयन ने केरल के कोझिकोड में आयोजित जनसभा में कहा कि राहुल की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान उन सहित अधिकतर वामपंथी नेताओं को डेढ़ साल से अधिक समय तक जेल में रखा था। हम जेल जाने से नहीं डरते हैं। इसलिए हमें जांच और जेल से धमकाने कोशिश मत करो।

देशभर के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर हुई पहले चरण में वोटिंग

बहिष्कार : कहीं नहीं पहुंचे मतदाता, तो कहीं पड़े महज 3 वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश भर के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को पहले चरण में वोटिंग हुई। इस दौरान कई राज्यों में मतदाताओं ने अपनी-अपनी शिकायतों को लेकर लोकसभा चुनावों का बहिष्कार किया है। समुचित बुनियादी सुविधा नहीं होने से लेकर अधूरे वादों को लेकर मतदाताओं ने वोटिंग का बहिष्कार किया। आईए, जानते हैं कि पहले चरण की वोटिंग के दौरान कौन-कौन सी जगहों पर वोटिंग का बहिष्कार किया गया।

राजस्थान के गांवों में वोटिंग का बहिष्कार

राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र के दसानु और दैयान गांवों में, ग्रामीणों ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव और मतदान केंद्रों के दूर स्थित होने का हवाला देते हुए मतदान प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया। प्रशासन की बार-बार अपील के बावजूद, ग्रामीण बेहतर बुनियादी ढांचे की मांग करते हुए, चुनाव का बहिष्कार करने के अपने फैसले पर अड़े रहे।

तमिलनाडु के कांचीपुरम नहीं किया मतदान

तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में, कुदालूर लोकसभा क्षेत्र के चार गांवों के मतदाताओं ने मतदान नहीं किया। मतदाताओं का कहना था कि सरकार द्वारा उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया।

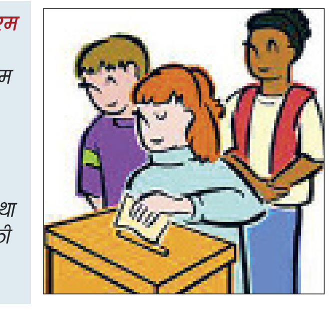

धौलपुर जिले में भी हुआ वोटिंग का बहिष्कार

राजस्थान धौलपुर जिले के गुजर्रा कला गांव के लोगों ने सड़क बीते एक दशक से सड़क नहीं बनने से नाराज होकर वोटिंग का बहिष्कार कर दिया। लोगों का कहना था कि पिछले 15 वर्षों से स्थिति बदतर होती जा रही है। बच्चों को स्कूल जाने और बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर मतदान का बायकॉट

उत्तराखंड के बागेश्वर व टिहरी में, ग्रामीणों ने बेहतर सड़कों और पुलों की मांग पूरी नहीं होने के कारण, टिहरी संसदीय क्षेत्र के चकराता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 12 गांवों में मतदाताओं ने चुनाव को सिरे से नकार दिया। परिणामस्वरूप, इन गांवों के लिए निर्धारित पांच बूथों पर सन्नाटा पसरा रहा, क्योंकि 3,000 से अधिक मतदाताओं ने मतदान नहीं किया।

गंगाशहर में पोलिंग एजेंट्स पर हमला

राजस्थान के ही गंगाशहर में नोखा रोड पर मतदान केंद्र संख्या 14 पर स्थिति में नाटकीय मोड़ आ गया, जहां गुस्साए ग्रामीणों ने हताशा में आकर पोलिंग एजेंटों पर हमला कर दिया और मतदान से दूर रहने का फैसला किया। एक प्राथमिक विद्यालय में स्थापित मतदान केंद्र के बाहर, गांव के 744 मतदाताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

ट्रांसफार्मर नहीं मिलने के कारण बायकॉट

उत्तर प्रदेश के दमखौदा ब्लॉक के इनायतपुर गांव में, निवासियों ने पिछले पांच वर्षों से अपने गांव में ट्रांसफार्मर नहीं होने के कारण मतदान का बहिष्कार कर अपनी नाराजगी जाहिर की। मंत्रियों और अधिकारियों की अपील के बावजूद, ग्रामीण अड़े रहे काफी कोशिशों के बावजूद सिर्फ तीन लोगों ने मतदान किया।

सड़क नहीं मिली तो नहीं डाले वोट : मध्य प्रदेश के जबलपुर के पास एक गांव में बार-बार अनुरोध के बावजूद अधिकारियों द्वारा सड़क नहीं बनाने पर ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार किया। अधिकारियों की ओर से ग्रामीणों को मनाने की काफी कोशिश हुई लेकिन वोटर्स मतदान करने के लिए तैयार नहीं हुए।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

लोकतंत्र के असली सिपाही...

वोट डालने के लिए साथ ले जाते हैं छोटे-छोटे बच्चों को भी

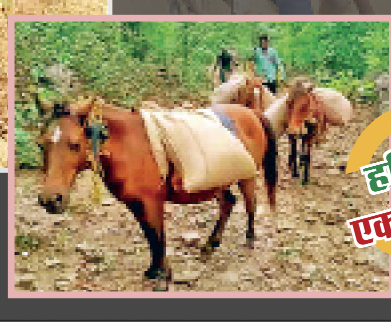

पहुंचने में दो दिन का वक्त भी लग जाता है, खाना-पीना साथ ले जाते हैं

इनकी आपबीती जानिए

ग्राम पंचायत कुल्हाडीघाट पहाडी के उपर बसे इसके आश्रित ग्राम ताराझर, कुरूवापानी, मटाल, भालूडिग्गी। सरकारी राशन दुकान कुल्हाडीघाट मे राशन लेने के लिए पहुंचे थे शेष पेज 4 पर

झुलसा देने वाली गर्मी में वोट डालने के लिए खच्चर पर सामान लादकर जाएंगे 350 ग्रामीण

शेख हसन खान ▶▶ मैनपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

गरियाबंद जिले मैनपुर में पहाड़ी के ऊपर बसे हैं कमार आदिवासी। वैसे तो इन्हें सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं मिला। न पक्की सड़क न पानी और न बिजली जैसी सुविधाएं। लेकिन इतना सहने के बाद भी इनका लोकतंत्र पर पूरा भरोसा है। चाहे पंचायत का चुनाव हो या विधानसभा या फिर लोकसभा का चुनाव, पूरी शिद्दत के साथ एक दिन पहले वोट शेष पेज 4 पर

360 के आसपास मतदाता

कुल्हाडीघाट पहाडी के उपर ताराझर मटाल कुर्वापानी भालूडिग्गी में 360 के आसपास मतदाता हैं जो मतदान करने के लिए पैदल कुल्हाडीघाट पहुंचेंगे। इसी तरह मैनपुर विकासखंड अमली ग्राम के ग्रामीण 15 किलोमीटर पैदल चलकर मतदान करने इंदागांव पहुंचते हैं, डूमरघाट ग्राम के ग्रामीण 12 किलोमीटर बरढुला बोरीगांव मतदान करने पहुंचेंगे, मैनपुर ब्लॉक में दर्जनों ऐसे ग्राम हैं जहां की ग्रामीणों को आज भी मतदान करने के लिए 5 से 10 किलोमीटर पैदल ही आना पड़ता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ईपीएफओ में फरवरी में जुड़े 15.48 लाख सदस्य

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने फरवरी, 2024 में शुद्ध आधार पर 15.48 लाख सदस्य जोड़े। ईपीएफओ के पेरोल आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा संख्या 18-25 आयु वर्ग की है। फरवरी 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों में इस वर्ग की हिस्सेदारी 56.36 प्रतिशत है।

दिल्ली से अयोध्या के लिए वंदे भारत

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रोजाना लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 6.10 मिनट पर चल रही है। यह दोपहर ढाई बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंचती है। आनंदविहार के बाद यह ट्रेन सुबह 11 बजे कानपुर सेंट्रल पर रुकेगी।

भाजपा उम्मीदवार सर्वेश सिंह का निधन

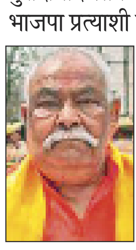

मुरादाबाद। पूर्व सांसद एवं मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह (72) की दिल्ली स्थित एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। कुंवर सर्वेश सिंह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। नामांकन करने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई।

पंकज त्रिपाठी के बहनोई की मौत, बहन गंभीर

रांची। बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर पंकज त्रिपाठी की बहन और उनके बहनोई का एक्सीडेंट हो गया है। यह हादसा धनबाद के जीटी रोड स्थित निरसा में हुआ है। सड़क दुर्घटना में बहनोई मुन्ना तिवारी की मौत हो गई है। वहीं, बहन सरिता तिवारी गंभीर रूप से घायल है। त्रिपाठी के बहन और बहनोई गोपालगंज से कोलकाता स्विफ्ट कार से जा रहे थे। निरसा के पास कार दुर्घटना हो गई।

एलन मस्क ने टाला भारत का दौरा

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उनकी भारत यात्रा कंपनी संबंधी भारी दायित्वों के कारण टाल दी गई है। मस्क अप्रैल के चौथे सप्ताह में भारत की यात्रा पर आने वाले थे। मस्क ने कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

एक दिन पहले पलटी थी नाव, 50 लोगों का रेस्क्यू

महानदी हादसा : लापता 8 शव बरामद मरने वालों में 3 बालक-5 महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

हरिभूमि फॉलोअप

महानदी में सरधा डेम में शुक्रवार की शाम करीब 4 बजे 58 लोगों से सवार एक वोट उस वक्त पलट गई, जब वे पत्थरसैनी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। इसी बीच महानदी के बीचो बीच नाव में पानी भरने लगा और नाव पलट गई। इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही आस पास के गांव के मछुआरे सहित ग्रामीणों ने नाव से मौके पर पहुंच कर करीब एक से डेढ़ दर्जन लोगों के नदी से बाहर निकाला। जिसके सूचना मिलते ही पुलिस व रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई और ओडिशा पुलिस के साथ मिलकर रेस्क्यू आपरेशन में जुट गई है। इसी बीच, इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही रायगढ़ कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। दूसरी ओर खरसिया विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री उमेश पटेल भी मौके पर पहुंच गए। ज्ञात हो कि इस नाव में सवार सभी 58 लोग खरसिया के अंजोरीपाली के निवासी हैं। मृतकों का शव शेष पेज 4 पर

परिजन की मदद करने पहुंचे विधायक उमेश पटेल

महानदी में शुक्रवार की शाम नाव पलटने से लापता 8 लोगों के शव को बरामद कर लिया गया है। इनमें 3 बालक व 5 महिलाएं शामिल हैं। शवों का पोस्टमार्टम करते हुए शवों को खरसिया पहुंचाया गया। देर रात तक करीब 50 लोगों को रेस्क्यू कर खरसिया भेजा गया है।

4-4 लाख की सहायता

श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटने के दौरान मृतकों को राजस्व सहायता पुस्तक परिपत्र के तहत 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत किए जाने की जानकारी शेष पेज 4 पर

इस तरह पलटी नाव

58 लोग जब उस नाव में सवार होकर नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक जा रहे थे, तभी अचानक नाव में पानी भरने लगा। लोगों ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया।

राष्ट्रपति ने संवेदना व्यक्त की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि वह एक नाव दुर्घटना में लोगों की मौत के बारे में जानकर व्यथित हैं और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह जानकर बहुत दुख हुआ कि ओडिशा में झारसुगुड़ा के निकट महानदी नदी में एक नाव पलट जाने से कई लोगों की जान चली गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। मैं हादसे में प्रभावित हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

सुबह 6 बजे से तेज हुआ रेस्क्यू

बताया जा रहा है कि इस नाव में ज्यादातर महिला व बच्चे सवार थे। नाव के पलटने के बाद 8 महिला व बच्चों के लापता होने की बात सामने आई थी। शनिवार की सुबह 6 बजे से सूरज की पहली किरण के साथ ही लापता लोगों के शवों की खोज करने के लिए स्कूबा गोताखोरों की टीम नदी के भीतर दाखिल हुई। जिसके बाद एक के बाद एक 6 शवों को नदी से निकाला गया। वहीं एक रात को एक शव नदी से बरामद किया गया था। इस तरह शनिवार की सुबह 10 बजे तक 7 शव बरामद कर लिए गए। वहीं जानकारी के अनुसार शाम करीब 4 बजे तक आठवां शव भी बरामद किया गया।

क्षमता से अधिक लोग सवार

नाव की स्थिति अत्यंत जर्जर थी, जिसके बाद भी इसमें 58 लोगों को बैठाया गया था। यह एक साधारण मछली पकड़ने वाली नाव थी, जो क्षमता से अधिक लोगों के वजन की वजह से पलट गई। इन नावों को करीब एक दशक पहले तैयार किय गया था, जिसकी लकड़ियों की पट्टियां कई जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी।

आज योगी की तीन और प्रियंका की दो सभाएं

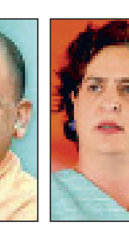

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पहले चरण के चुनाव के बाद अब भाजपा और कांग्रेस ने दूसरे चरण के साथ तीसरे चरण के चुनाव के लिए भी ताकत झोंक दी है। दूसरे चरण का चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा की जहां ताबड़तोड़ सभाएं होंगी, वहीं कांग्रेस ने भी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की रविवार को दो सभाएं तय की हैं। रविवार को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी शेष पेज 4 पर

■ कल राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की तीन और अमित शाह की एक सभा

योगी की खुज्जी कोरबा, बेलतरा में सभाएं

राजनांदगांव की सीट हाईप्रोफाइल हो गई है, क्योंकि यहां से भाजपा के संतोष पांडेय के सामने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनाव मैदान में हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने यहां पर ताकत झोंकी है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की खैरागढ़ में सभा हो चुकी है। शेष पेज 4 पर

प्रियंका की हथोद और मोहड़ में सभाएं

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की रविवार को दो सभाएं होंगी। पहली सभा कांकेर के हथोद गांव में 12.30 बजे होगी। इस सभा में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, कांकेर के प्रत्याशी बीरेश ठाकुर, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज और अन्य नेता रहेंगे। प्रियंका गांधी की दूसरी सभा डोंगरगांव के मोहड़ में 2 बजे होगी। इस सभा में भी सचिन पायलट, दीपक बैज और राजनांदगांव के लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल रहेंगे। सचिन पायलट शनिवार को यहां पहुंचे और दोनों सभास्थलों का निरीक्षण किया।

तिहाड़ में केजरीवाल को दिया जा रहा स्लो पॉइजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में 'स्लो पॉइजन' दिया जा रहा है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि केजरीवाल का इंसुलिन लेवल लगातार बढ़ रहा है लेकिन उन्हें इंसुलिन की डोज नहीं दी जा रही है। आप नेता ने दावा किया, ऐसी साजिशें चल रही है कि अरविंद केजरीवाल की हत्या की जाए। सौरभ भारद्वाज ने कहा, अरविंद केजरीवाल बार-बार जेल के डॉक्टर को बता रहे हैं कि उनका शुगर लेवल बढ़ रहा है। मुझे इंसुलिन दीजिए लेकिन जेल के डॉक्टर कह रहे हैं कि केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं।

आप ने लगाया आरोप

हो सकता है मल्टीऑर्गन फेल्यर!

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक एक्स पोस्ट में सीएम केजरीवाल के शुगर लेवल की रीडिंग शेयर की है। उन्होंने कहा, यह 12 अप्रैल से 17 अप्रैल तक, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शुगर लेवल की रीडिंग है। अगर इतने हाई शुगर लेवल पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी, तो व्यक्ति को धीरे धीरे मल्टीऑर्गन फेल्यर हो सकता है। यह कैसी क्रूर सरकार है जो डायबिटीज के मरीज को इंसुलिन देने से मना कर रही है?

वित्तमंत्री पर विपक्ष ने साधा निशाना

सीतारमण बोलीं-फिर लाएंगे चुनावी बॉन्ड, कांग्रेस भड़की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्तमंत्री ने निर्मला सीतारमण ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में लौटती है, तो वह इलेक्टोरल बांड वापस लाएगी। कांग्रेस ने पूछा कि और कितना लूटेंगे। इधर, राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा यह बयान उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत है।

जयराम रमेश ने बोला हमला

निर्मला सीतारमण के इंटरव्यू की एक रिपोर्ट पोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर अपने पोस्ट पर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि यदि भाजपा सत्ता में लौटती है, तो वह इलेक्टोरल बांड वापस लाएगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए अवैध घोषित कर दिया है!

तीन नए कानूनों को लेकर बोले सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस

देश आपराधिक न्याय प्रणाली में अहम बदलाव को तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के अधिनियमन को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे यदि हम नागरिकों के रूप में उन्हें अपनाएं। नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। पीड़ितों के हितों की रक्षा करने सुधार किए गए हैं।

एक नए युग में बदल दिया

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि नए कानून तब सफल होंगे, जब हम इसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि नए लागू कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। सीजेआई ने आगे कहा कि संसद द्वारा नए कानूनों पर मुहर लगाना इस बात का संकेत है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उसे नए कानूनी उपायों की आवश्यकता है।

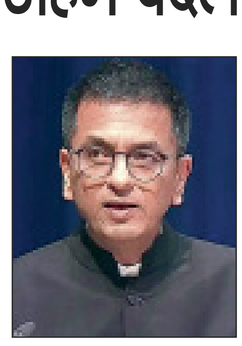

एक जुलाई से लागू होंगे नए कानून

देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए अधिनियमित कानून 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' एक जुलाई से लागू होंगे। हालांकि, 'हिट-एंड-रन' के मामलों से संबंधित प्रावधान को तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन्हें स्वीकृति दी थी।

मतदान करने से न चूकें

सीजेआई चंद्रचूड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के 'माई वोट माई वॉयस' मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है। मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि कृपया हमारी महान मातृभूमि के नागरिक के रूप में जिम्मेदारी से मतदान करने का यह अवसर न चूकें। हर पांच साल में पांच मिनट, हमारे देश के लिए। यह किया जा सकता है, है ना? आइए, गर्व के साथ मतदान करें। मेरा वोट, मेरी आवाज।

देश में जारी लोकसभा चुनाव के पहला चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में 21 राज्यों की 102 संसदीय सीटों और अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधानसभा के लिए वोटिंग हुई है। ये चुनाव ईवीएम से हुए हैं। इस दरम्यान जहां विपक्षी नेता ईवीएम से चुनाव को लेकर आरोप मढ़ रहे हैं, इस पर सवाल उठा रहे हैं, इस पर सियासत कर रहे हैं, वहीं इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता जानेमाने वकील प्रशांत भूषण के भ्रमित तथ्यों के चलते उन्हें तीखे शब्द भी कहे हैं। कोर्ट ने अभी फैसला सुरक्षित रख लिया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दोहराया है कि ईवीएम सुरक्षित है, इसे हैक करना संभव नहीं है, इसमें किसी भी प्रकार से गड़बड़ी नहीं की जा सकती है। वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को सुरक्षित माना है। खास बात है कि ईवीएम को लेकर टीका-टिप्पणी विपक्ष में रहने वाले नेता ही करते रहे हैं। चूंकि ईवीएम स्टैंड अलोन मशीन है, जिसे हैक नहीं किया जा सकता है, इसलिए जब विपक्ष के नेता ईवीएम पर प्रश्न खड़ा करते हैं, तो इसमें सियासत दिखती है। पहले चरण के चुनाव व ईवीएम पर पेश है आजकल का यह अंक...

अपने 45 साल के इतिहास में ईवीएम को शंकाओं, आलोचनाओं और आरोपों का सामना करना पड़ा है। ईवीएम का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, साधारण बैटरी पर चलने वाली एक ऐसी मशीन, जो मतदान के दौरान डाले गए वोटों को दर्ज करती है और वोटों की गिनती भी करती है। ये मशीन तीन हिस्सों से बनी होती है। एक होती है कंट्रोल यूनिट (सीयू), दूसरी बैलेटिंग यूनिट (बीयू)। तीसरा हिस्सा होता है- वीवीपैट (वोटर वेरिफ़ायबल पेपर ऑडिट ट्रेल)। ईवीएम के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ईवीएम मशीन कंप्यूटर से कंट्रोल नहीं होती हैं, ये स्टैंड अलोन मशीन होती हैं जो इंटरनेट या किसी दूसरे नेटवर्क से कनेक्ट नहीं होती हैं, इसलिए ये हैकिंग से पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईवीएम में डेटा के लिए फ्रीक्वेंसी रिसीवर या डिकोडर नहीं होता है, इसलिए किसी भी वायरलेस डिवाइस, वाई-फाई या ब्लूटूथ डिवाइस से इसमें छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को चुनावों के लिए विश्वसनीय माना है।

खामोश चुनाव, ईवीएम पर प्रलाप

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है?

आम चुनाव के लिए प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। देश के 21 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में भी शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा है, लेकिन शीर्ष अदालत चाहती है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की गरिमा और ईमानदारी बरकरार रहे, लिहाजा उसने फटकार भी लगाई है और वकीलों के डाटा पर सवाल भी किए हैं। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर वह क्यों लौटना चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

कांग्रेस ने की थी ईवीएम की शुरूआत

ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में करोड़ों मतदाता वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल कर चुके हैं। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। मतदान के बाद पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना ज़ोख़िम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के ज़ेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है।

ईवीएम की विश्वसनीयता कायम

चुनाव आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया है कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के अभी तक मिलान कराए जा चुके हैं, जिनमें एक भी मामला मिसमैच नहीं पाया गया है। सर्वोच्च अदालत 2019 में भी इसी मामले पर फैसला दे चुकी है, लेकिन इस बार आम चुनाव शुरू हो चुके हैं और विपक्ष का बेहद गंभीर आरोप है कि ईवीएम को सैट किया जा सकता है। नतीजतन किसी भी पक्ष को वोट डाला जाए, वह भाजपा के 'कमल' के पक्ष में ही जाएगा। यदि ऐसा ही है, तो देश के विभिन्न राज्यों में विपक्ष की सरकारें क्यों हैं? लोकसभा में विपक्ष के करीब 100 सांसद कैसे चुने गए थे? दरअसल ये अनर्गल आरोप हैं। लोकतंत्र का मतलब निरंकुशता नहीं होता। बहरहाल अदालत के फैसले की प्रतीक्षा करें और इसे प्रलाप का मुद्दा न बनाएं, क्योंकि इससे राष्ट्रीय छवि और प्रतिष्ठा जुड़ी हैं। भारत में सिर्फ दो कंपनियां ही ईवीएम बनाती हैं। उन्हें भी यह जानकारी नहीं होती कि मशीन को भाजपा के पक्ष में सैट किया गया है अथवा कांग्रेस-वामदलों के पक्ष में प्रोग्राम तय किया गया है। तकनीकी संरचना मैं भी नहीं जानता हूं, लेकिन इतना विश्वास है कि चुनाव को लेकर चुनाव आयोग देश के 97 करोड़ मतदाताओं के साथ छल नहीं कर सकता। मतदाता के संवैधानिक मताधिकार का हरण नहीं किया जा सकता। ईवीएम की अंतरराष्ट्रीय ख्याति ऐसी है कि कई देश अपने यहां चुनाव के लिए भारत के निर्वाचन आयोग को आमंत्रित करते हैं। आज भारतीय ईवीएम की विश्वसनीयता की साख बन चुकी है।

मतदान उत्साहजनक

प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शुक्रवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 64 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में करीब 2 फीसदी कम रहा। बिहार में सबसे कम 48.8 फीसदी मतदाता पोलिंग स्टेशन तक गए। सबसे अधिक मतदान त्रिपुरा में 81.5 फीसदी और सिक्किम में 80 फीसदी किया गया। उत्तराखंड, उप्र, राजस्थान और मिज़ोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है। दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में करीब 70 फीसदी मतदान हुआ है। बंगाल की जलपाईगुड़ी सीट पर भी 79 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। बंगाल में औसत मतदान भी सकारात्मक रहा है। पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 70.8 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नगालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। जम्मू-कश्मीर में 65 फीसदी से अधिक मतदान एक उम्मीद जगाता है कि लोगों ने भारतीय लोकतंत्र और संविधान के प्रति विश्वास जताया है।

वोटिंग से विमुख क्यों

समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है। यानी प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष या विरोध में कोई 'चुनावी लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की ख़बरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा न तो कोई ध्रुवीकरण दिखाई दिया और न ही मतदान करना मुनासिब समझा। यह भी मतदान और संवैधानिक अधिकार को लेकर नकारात्मक सोच है। मैंने मतदान के इस चरण को 'खामोश और भ्रमित चुनाव' माना है। अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरुआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। चूंकि इस बार पूरा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी पर ही केंद्रित है, लिहाजा मतदाताओं की कुछ उदासीनता दिख सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कर मतदाताओं को 'शुक्रिया' कहा है। प्रधानमंत्री का फीडबैक शानदार रहा है, क्योंकि लोगों ने रिकॉर्ड संख्या में एनडीए को वोट दिए हैं। बहरहाल मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। सत्ता-पक्ष मतदान के बाद ऐसे ही बयान देता रहा है। मतदान किसके पक्ष में है इसका पता तो चार जून को ही लगेगा। लेकिन वोटरों को खुलकर अपने मतों का प्रयोग करना चाहिए, लोकतंत्र को सब मजबूत करें।

ईवीएम पर संदेह की सियासत बंद हो

मुद्दा
डॉ. आशीष वशिष्ठ
राजनीतिक विश्लेषक

मोदी विरोधी मोर्चे के नेता आजकल एक और कैंपेन कर रहे हैं। वो कह रहे हैं कि मोदी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम की वजह से जीतते हैं। वैसे ईवीएम को गलत ठहराने वाला राग तो पुराना है। बीती 17 अप्रैल को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनाव प्रचार करते हुए दावा किया कि अगर ईवीएम से छेड़छाड़ न हो तो भाजपा 180 सीटों पर सिमट जाएगी। जो राजनीतिक दल और नेता पिछले पांच साल तक जमीन पर उतरे नहीं, आज जब उन्हें अपनी हार साफ तौर पर दिख रही है तो उन्होंने ईवीएम की हार में पेशबंदी शुरू कर दी है। आखिरकार अपनी गलतियों, कमियां और कमजोरियों का ठीकरा किसी के सिर तो फोड़ना ही है, ऐसे में बेजुबान ईवीएम से बेहतर विकल्प दूसरा नहीं हो सकता।

विपक्ष की सरकारें भी ईवीएम से

आम चुनाव के पहली चरण में 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है। करोड़ों देशवासियों ने उन्हीं ईवीएम का बटन दबाकर अपना वोट दिया है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही कार्यकाल में हुई थी। इसी ईवीएम के दम पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में तीन बार और पंजाब में एक बार चुनाव जीता, 2012 में समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला, बहुजन समाज पार्टी को 2007 में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला और कांग्रेस ने 2023 में तेलंगाना जीता। वर्तमान में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही सत्तासीन हुई हैं।

ईवीएम हैक संभव नहीं

ईवीएम को लेकर अक्सर होहल्ला मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रह पूर्ण है। चुनाव आयोग ने कई बार दोहराया है कि ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता है, इसके सिस्टम से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है, यह फुलप्रूफ मशीन है। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने निर्णय सुरक्षित रखा है।

हारने पर ही विरोध क्यों

2009 के आम चुनावों में जब बीजेपी के नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे थे, ठीक उसी वक्त ओडिशा कांग्रेस के नेता जेबी पटनायक ने भी राज्य विधानसभा में बीजू जनता दल की जीत की वजह ईवीएम को ठहराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद कांग्रेस के नेता और असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे और कहा था कि बीजेपी की जीत की वजह ईवीएम है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि भारत में जब तक

पार्टियां चुनाव नहीं हारने लगतीं तब तक उन्हें ईवीएम मशीन से कोई शिकायत नहीं होती। मौजूदा समय में भारत का प्रत्येक राजनीतिक दल कभी ना कभी ईवीएम का विरोध कर चुका है। ऐसे में संसद की संयुक्त संसदीय समिति को ईवीएम के इस्तेमाल की जांच करनी चाहिए।

आयोग की स्वायत्तता बनी रहे

चुनाव आयोग ने न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है।

बैलेट पेपर युक्तिसंगत नहीं

वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल यानी वीवीपैट से निकलने वाली सभी पर्चियों का मिलान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से पड़े वोटों के साथ कराने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने एडीआर की याचिका पर सुनवाई के दौरान 1960 के दशक में बैलेट पेपर से चुनाव के दौर को याद किया और कहा कि देश में फिलहाल मतदाताओं की संख्या 96 करोड़ से अधिक है। ऐसे में बैलेट पेपर या वीवीपैट की 100 फीसदी गिनती की व्यवस्था से चुनाव कराना बहुत चुनौती वाला काम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि हम सभी जानते हैं कि जब बैलेट पेपर थे तो क्या होता था। आप जानते होंगे, लेकिन हम भूले नहीं हैं। वैसे बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की स्थिति में भारत की चुनावी प्रक्रिया लंबी भी होगी और खर्च भी बढ़ेगा।

विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं

सच्चाई यह है कि देश की जनता ने जातिवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए विपक्षी दलों को खारिज कर दिया है और देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है। आज विपक्ष के ज्यादातर नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे हैं। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने जो विकास और कल्याण के कार्य किये हैं, उससे देश की जनता का भरोसा मोदी सरकार पर पहले से ज्यादा बढ़ा है। आज मोदी की गारंटी के सामने विपक्ष की सारी गारंटियां और वादे कोरी जुमलेबाजी लगते हैं। देश की जनता विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं करती, जिसके चलते विपक्ष लगातार सत्ता से बेदखल है।

ईवीएम पर भ्रम न फैलाए विपक्ष

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले भ्रष्ट और परिवारवादी दलों और नेताओं के दिन भारतीय राजनीति में लद चुके हैं। जनता अब यह समझने लगी है कि कौन उनका सच्चा हितेषी और हमदर्द है। कौन उनका विकास और कल्याण कर सकता है। देश की जनता समझने लगी है कि कौन सकारात्मक राजनीति कर रहा है और कौन डर, भय और भ्रम के जरिये जनादेश पाना चाहता है। किसने उन्हें उनका हक दिया है। ऐसे में बेहतर होगा विपक्ष ईवीएम पर संदेह करने और जनता में भ्रम फैलाने की बजाय अपने आचरण को सुधारे।

व्यवस्था संचालन के सूत्रधार लोक सेवक

सिविल सेवा दिवस
डॉ. आलोक शुक्ला
पूर्व आईएएस अधिकारी

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य सिविल सेवकों द्वारा आम लोगों के हित के लिए स्वयं को समर्पित करना और फिर से प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। यह दिन सिविल सेवकों को नई चुनौतियों से निपटने के लिए आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रणनीतियों के बारे में सोचने का अवसर प्रदान करता है। 21 अप्रैल, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को दिल्ली के मेटकॉफ हाउस में संबोधित किया था। यह दिन इसी की याद में मनाया जाता है।

इस अवसर पर, प्रधानमंत्री जी के हाथों 'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार' प्रदान किये जाते हैं। यह पुरस्कार वर्ष 2006 में स्थापित किये गये थे। ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं। पहली श्रेणी व्यक्तिगत पुरस्कार की है, दूसरी श्रेणी दल के रूप में काम करने के लिये है और तीसरी श्रेणी संगठन की है। पुरस्कार में एक पदक, एक स्क्रॉल और एक लाख रुपये की कर मुक्त नकद राशि शामिल है। मुझे यह बताते हुये खुशी है इस लेखक को भी छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और धान खरीदी का उत्कृष्ट सिस्टम विकसित करने के लिये दल पहल के रूप में यह पुरस्कार अपने 2 अन्य साथियों गौरव द्विवेदी और सोमसेखर के साथ वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के हाथों से मिला था। भारत की सिविल सेवाओं में अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द सरकार की सेवाएं और राज्य सरकारों की सेवाएं शामिल हैं।

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सिविल सेवाओं के लिये चयन संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से होता है राज्यों की सिविल सेवाओं के वरिष्ठ पदों पर चयन राज्यों के लोक सेवा आयोगों द्वारा किया जाता है। भारत के संविधान में सिविल सेवकों को निष्पक्षता बनाये रखने के लिये अनुच्छेद 309, 310 तथा 311 के प्रावधानों के तहत सुरक्षा प्रदान की गई है। सिविल सेवक देश की स्थाई कार्यपालिका हैं। वे चुने हुये जनप्रतिनिधियों के अधीन कार्य करते हैं। देश के नीति निर्धारण और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनका बहुत बड़ा रोल होता है।

भारत में सिविल सेवा की आधारशिला ब्रिटिश समय में रखी गई थी। इसे गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने प्रारंभ किया और बाद में कार्नवालिस ने इसमें अनेक सुधार किये। कॉर्नवालिस ने भारतीय सिविल सेवा के दो भागों में बांटा। पहला था अनुबंधित सिविल सेवक और दूसरा बिना अनुबंध वाले सिविल सेवक। अनुबंधित सिविल सेवक केवल यूरोपियन ही होते थे, जबकि दूसरे प्रकार के सिविल सेवक, जो कनिष्ठ पदों पर कार्य करते थे, उनमें भारतीयों की नियुक्ति भी की जाती थी। भारत सरकार अधिनियम 1919 में, भारत की इंपीरियल सिविल सेवा को दो भागों में बांट दिया गया। पहली, अखिल भारतीय सेवाएँ और दूसरी, केंद्रीय सेवाएँ। यह सिविल सेवाएं सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के अधीन थीं। अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं (समूह ए)

को 1924 में केंद्रीय सुपीरियर सेवाओं का नाम दिया गया। 1924 से 1934 तक, भारत में 10 अखिल भारतीय सेवाएँ थीं और 5 केंद्रीय विभाग थे जो सभी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के नियंत्रण में थे। इसके अतिरिक्त 3 और केंद्रीय विभाग थे, जो प्रांतीय और केन्द्रीय दोनों के संयुक्त नियंत्रण में थे। प्रारंभ में अनुबंधित सिविल सेवक में कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा अपनी मर्जी से भर्ती की जाती थी। वे केवल योरोपियन लोगों की भर्ती करते थे। वर्ष 1954 में लंदन में सिविल सर्विस कमीशन का गठन किया गया। वर्ष 1864 में सिविल सर्विस परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय सत्येन्द्र नाथ टैगोर थे, जो रवीन्द्रनाथ टैगोर के भाई थे। 1867 तक 4 अन्य भारतीयों का सिलेक्शन भी हुआ। 1883 तक भारत की सिविल सर्विस में भारतीयों की संख्या केवल 12 थी, जो 1915 तक बढ़कर केवल 63 हो गई। 1920 की परीक्षा में सुभाष चंद्र बोस को चौथी रैंक मिली, उन्होंने देश के लिये काम करना बेहतर समझा और सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया।

1922 से सिविल सर्विस परीक्षा भारत के भीतर इलाहाबाद में ली जाने लगी। बाद में दिल्ली में भी एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इसे इंडियन सिविल सर्विस कहा जाता था, परन्तु इसके अधिकांश सदस्य न तो भारतीय थे, न भारतीयों के प्रति सिविल थे और न ही उनमें कोई सेवा भावना थी। उनका उद्देश्य केवल भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को कायम रखना था। स्वतंत्रता प्राप्ति के ठीक पहले अविभाजित भारत में 980 सिविल सेवा अधिकारी थे, जिनमें से 468 योरोपियन थे।

संविधान सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि वर्तमान प्रशासनिक प्रणाली का कोई विकल्प नहीं है। अच्छी अखिल भारतीय सेवाओं के बिना भारत को एकजुट रखना संभव नहीं है। उन्होंने भारत की सिविल सेवाओं को स्टीली फ्रेम ऑफ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन कहा था। भारत में इंपीरियल सिविल सेवा के स्थान पर भाारतीय प्रासनिक सेवा का गठन 1947 में स्वतंत्रता पाप्ति के बाद किया गया। सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और योग्यता के मूल्य भारतीय सिविल सेवाओं के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

नई दिल्ली में स्थित कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, सिविल सेवा का नियंत्रण करता है। यह मंत्रालय भारत में सिविल सेवा प्रणाली के लिए प्रशिक्षण, सुधार और पेंशन के लिए जिम्मेदार है। संविधान के अनुच्छेद 312 (13) के तहत राज्यसभा को दो-तिहाई बहुमत से नई अखिल भारतीय सेवाएं स्थापित करने का अधिकार है। वर्तमान में तीन अखिल भारतीय सेवाएं हैं - भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा। भारत में सर्वोच्च सिविल सेवक कैबिनेट सचिव होता है। वह सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी है। भारत में प्रोटोकॉल के वरीयता क्रम में कैबिनेट सचिव 11वें स्थान पर हैं। राज्य स्तर पर सिविल सेवा का प्रमुख, मुख्य सचिव होता है। उनकी यह जिम्मेदारी है कि सिविल सेवक प्रशिक्षित और सक्षम हों और निष्पक्ष वातावरण में काम करें।

देश में नीति निर्माण से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन तक में सिविल सेवाओं का बहुत बड़ा योगदान है। चाहे कोविड-19 की महामारी से निपटना हो, या देश में आने वाली बाढ़ या सुनामी, तूफान या सूखा जैसी प्राकृतिक आपदायें हों, देश के सिविल सेवक अपने प्राणों की परवाह किये बिना अपनी ड्यूटी में लगे रहते हैं।

देश में चुनाव कराने का जिम्मा भी सिविल सेवकों पर ही है। गरीबी हटाओं के कार्यक्रम हों, या औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाना, कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति के लिए गांव-गांव में काम करना हो या घर-घर बिजली-पानी पहुंचाने के लक्ष्य की पूर्ति करना हो, सारे ही काम सिविल सेवाओं द्वारा किये जाते हैं। देश में हर बच्चे का टीकाकरण कराने से लेकर, हर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी भी सिविल सेवकों पर ही है। भूमि के रिकार्डों का संधारण से लेकर देश की सुचारू व्यवस्था के संचालन के लिए हमारी सिविल सेवाएं रात दिन काम में लगी रहती हैं।

500 करोड़ में बनी 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही कमा लिए हैं 1200 करोड़

अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल की फिल्म ने रचा इतिहास

मुंबई। एक ओर जहां टीजर रिलीज के बाद से हर कसिी की फिल्म को लेकर बेताबी बढ़ गई है, वहीं एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल की इस फिल्म ने प्री-रिलीज कमाई में नया इतिहास रच दिया है। बताया जाता है कि 500 करोड़ के बजट में बनी 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही 1200 करोड़ रुपए से अधकि की कमाई कर ली है!

570 करोड़ में बिके थिएटर राइट्स

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'पुष्पा 2' के हिंदी डब वर्जन के लिए कथित तौर पर 200 करोड़ रुपए डील हुई है। इस बारे में हमने भी पहले खबर दी थी कि रवीना टंडन के पति अनिल थडानी ने उत्तर भारत में फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए यह डील की है। जबकि नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षणि भारत में डिस्ट्रीब्यूशन के लिए 270 करोड़ रुपए में थिएटर राइट्स बिके हैं। जबकि विदेशी बाजार में भी 100 करोड़ या उससे अधिक में थएिटर्स राइट्स की डील पक्की हुई है। यानी फिल्म ने थएिटर में रिलीज के लिए हुए डील्स से ही 570 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सिंघम अगेन' के पोस्टपोन होने के बाद अब इसके सामने कोई बड़ी फिल्म भी नहीं है। ऐसे में अनुमान यही है कि यह फिल्म कमाई के नए रिकॉर्ड बनाएगी।

ओटीटी और ऑडियो-सैटेलाइट के लिए 750 करोड़ की डील

ओटीटी पर रिलीज के लिए 'नेटफ्लिक्स' ने भी कथित तौर पर 'पुष्पा 2' के स्ट्रीमिंग राइट्स 275 करोड़ रुपए में खरीद लिए हैं। यह किसी भी साउथ इंडियन फिल्म के लिए अब तक की सबसे बड़ी राशि है। साथ ही पिछली बार फिल्म के सुपरहिट गानों को देखते हुए इस बार ऑडियो राइट्स भी ऊंचे दाम में बिके हैं। टीवी पर फिल्म की रिलीज के लिए सैटेलाइट राइट्स से करोड़ों की डील हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑडियो और सैटेलाइट्स राइट्स की डील से मेकर्स ने 450 करोड़ रुपए की कमाई की है।

1295 करोड़ रुपए हुई कमाई

इस तरह यदि प्री-रिलीज कमाई के इन सारे आंकड़ों को मिला दें तो यह 1295 करोड़ रुपए है। जाहिर तौर पर यह अब तक रिलीज किसी भी फिल्म के मुकाबले एक नया रिकॉर्ड है। जिस तरह 'पुष्पा 2' को लेकर बाजार का माहौल है, फैंस की जिस तरह की दीवानगी देखी जा रही है, यह कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म 15 अगस्त 2024 को जब बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी तो छप्परफाड़ कमाई करेगी।

पहले से भी ज्यादा वाइल्ड होगी 'एनिमल पार्क'...

मुंबई। रणबीर कपूर के करियर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म 'एनिमल' के बारे में लोग आज भी बात करना बंद नहीं करते। इस मूवी ने बतौर एक्टर रणबीर का रुतबा तो बढ़ाया ही, साथ ही बॉबी देओल का खोया स्टारडम भी वापस लौटाया। अब रणबीर इस मूवी के सीक्वल 'एनिमल पार्क' को लेकर चर्चा में हैं। अब तक यही जानकारी सामने आई है कि 'एनिमल पार्क' में पहले से ज्यादा डार्क कंटेंट देखने को मिलेगा। रणबीर कपूर,

'रामायण' फिल्म के लिए खुद को तैयार करने में बिजी है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान 'एनिमल' को बनाने वाले संदीप रेड्डी वांगा ने 'एनिमल पार्क' को लेकर एक अपडेट दी है। 'एनिमल पार्क' में रणबीर कपूर डबल रोल में होंगे। एक रोल रणविजय वाला ही होगा, दूसरा रोल उनके हमशक्ल और विलन का होगा। सेकंड पार्ट में गीतांजली के किरदार में भी कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।

दोहराया अजय का आइकॉनिक पोज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्मेकर रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी। इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। इस बीच रोहित शेट्टी ने फिल्म के सेट से दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। रोहित शेट्टी ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें दीपिका पादुकोण पुलिस यूनिफॉर्म में दिखाई दे रही हैं। रोहित शेट्टी द्वारा शेयर की गई तस्वीर में दीपिका पादुकोण अजय देवगन का आइकॉनिक 'सिंघम स्टेप' करती नजर आ रही हैं। रोहित शेट्टी ने तस्वीर शेयर करने के साथ ही कैप्शन में लिखा है- 'माई हीरो...रील में भी और रियल में भी, लेडी सिंघम!!!' रोहित शेट्टी के कॉपवर्स में दीपिका पहली फीमेल कॉप होंगी। रोहित ने पिछले साल फिल्म के इस किरदार को लोगों के सामने पेश किया था। इस किरदार को लोगों के साथ साझा करते हुए रोहित शेट्टी ने अपनी पोस्ट में लिखा था- "नारी सीता का भी रूप है और दुर्गा का भी"।

शाहिद दमदार लुक में आएंगे नजर...

मुंबई। 'इश्क विश्क' से बालीवुड में कदम रखने वाले शाहिद कपूर को इंडस्ट्री में 21 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने कई बेहतरीन किरदारों को परदे पर जीवंत किया। पिछले कुछ सालों में अपनी फिल्मों के चयन के जरिए उन्होंने एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में वह 'फर्जी' वेब सीरीज में दिखे थे। फिलहाल वह एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच शाहिद ने फिल्म के सेट से अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की है। इसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। शुक्रवार को शाहिद ने अपनी आगामी फिल्म 'देवा' के सेट से खुद की एक तस्वीर साझा की। इसमें वह चश्मा लगाए कार में बैठे कैमरे से दूर कहीं देखते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज का मूड'!

जैकेट के शेष

कांग्रेस झूठ बोलने...

0 विपक्ष कहता है देश को तानाशाही से बचाने वाला चुनाव है, भाजपा की सरकार बनने पर देश में चुनाव होंगे या नहीं इसको लेकर भी संदेश जताया जा रहा है?

00 ये विपक्षी दल अब तक लोगों को डराकर लोगों के बीच भय पैदा करके, उनका वोट हासिल करके सत्ता में आते रहे हैं। लोगों को डर दिखाते हैं कि भाजपा आएगी तो ये हो जाएगा, भाजपा आएगी तो संविधान बदल दिया जाएगा। ऐसे कई तरह से डर दिखाने का काम करते हैं। आज भी यही काम कर रहे हैं। इनका परिवारवादी पार्टियों का गठबंधन है। जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप रहे हैं, उनका गठबंधन है। इन लोगों ने देश के भले के लिए कभी आंदोलन नहीं किया, जो भ्रष्टाचार के मामले में जेल में हैं, उनके लिए ये आंदोलन करने का काम करते हैं। ये देश की जनता में भ्रम पैदा करके देश की जनता को डराकर वोट हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन देश की जनता ने देख लिया है, दस सालों में नरेंद्र मोदी ने किस तरह से सबके लिए और देश के लिए काम किया है। मोदी जी का मूल मंत्र है, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास। इस पर देश की सरकार चल रही है। देश की जनता अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है।

0 राहुल गांधी ने तो चार हजार किलो मीटर यात्रा कर ली और क्या चाहते हैं आप?

00 कैसी थी उनकी यह यात्रा, जब उनकी यात्रा का पहला चरण पूरा हुआ तो छत्तीसगढ़ उनके हाथ से चला गया। राजस्थान भी उनके हाथ से चला गया। अब लोकसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष बनाने की स्थिति में पहुंचेंगे या नहीं यह बड़ा सवाल है। देश की जनता कांग्रेस को एक बार फिर से नेता प्रतिपक्ष बनाने के लायक भी छोड़ने वाली नहीं है।

0 मणिपुर कोई मुद्दा रहेगा?

00 मणिपुर की घटना देश के सामने हैं। घटना के बाद केंद्र सरकार ने क्या किया है, सबने देखा है। वहां पर कितने बार गृह मंत्री गए, सब जानते हैं। घटना दुभार्ग्यजनक थी, लेकिन सरकार के स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी।

0 क्या देख रहे हैं छत्तीसगढ़ में यहां पर 11 सीटों के संदर्भ में?

00 पिछली बार तो लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने 68 सीटें विधानसभा में जीतकर प्रदेश में सरकार बनाई थी, इसके बाद भी हम 11 में से 9 सीटें जीते थे। इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद हमने मोदी की गारंटी पूरी की है। राज्य सरकार ने कम समय में ऐतिहासिक काम किया है। इस बार लगता है जनता कांग्रेस को खाता खोलने नहीं देगी और 11 की 11 सीटें भाजपा जीतेगी।

0 इस बार 11 में से 9 सांसदों को घर बिठा दिया गया, इसके पीछे का कारण क्या है?

00 भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, किसी को घर नहीं बिठाया है, कभी किसी को कोई जिम्मेदारी मिलती है, कभी किसकी कोई दूसरी जिम्मेदारी मिलती है। जिनको प्रत्याशी नहीं बनाया गया है, वो भी पूरी ताकत से जिनको प्रत्याशी बनाया गया है, उनको जीत दिलाने में लगे हुए हैं। जिनको प्रत्याशी नहीं बनाया गया है फिर से, उनको पार्टी नया काम देगी, उनकी नई भूमिका तय करेगी।

0 किरण देव को प्रदेशाध्यक्ष की कमान दी गई है, नए व्यक्ति हैं, लोकसभा तक रूक सकते थे, चुनाव में कहीं कोई दिक्कत तो नहीं आ रही है?

00 किरण देव हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, बरसों से कई पदों पर रहे हैं। पूरे प्रदेश के बारे में जानते हैं, जगदलपुर के महापौर भी रहे हैं। अभी विधायक भी हैं। कहीं कोई परेशानी नहीं है।

0 चुनाव को लेकर कितने दबाव में हैं विष्णुदेव साय और अरुण साव?

00 भाजपा हर चुनाव को गंभीरता से लेती है। विधानसभा चुनाव के बाद ही लोकसभा की तैयारी प्रारंभ कर दी थी। भाजपा सरकार ने सौ दिनों में जो काम किया है, यह दिख रहा है। हमने मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। प्रदेश की जनता भी देख रही है। कहीं कोई परेशानी नहीं और कहीं कोई दवाब वाली बात नहीं है।

0 कांग्रेस से भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू, शिव डहरिया जैसे दिग्गज भी मैदान में हैं?

00 इनके चुनाव मैदान में होने से कुछ नहीं होता है, इनको विधानसभा चुनाव में हमारे प्रत्याशी पटकनी दे चुके हैं। जनता ने नकारा दिया है। भूपेश बघेल को भी जनता ने नकार दिया है। इनको एक बार फिर जनता नकार देगी।

0 विष्णुदेव साय को अरुण साव से कितना डर लगता है?

0 हम सब मिलकर काम कर रहे हैं, श्री साय हमारे मुखिया हैं। मुख्यमंत्री होने के नाते वे हमारा नेतृत्व कर रहे हैं, हम सब जनता के लिए काम कर रहे हैं।

दुबई में 75 साल ....

ओमेन ने हरिभूमि को बताया कि मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि दुबई में बारिश का ऐसा नजारा देखने को मिल सकता है। बारिश इतनी तेज जिसके बारे में कम से कम दुबई में तो संभावना नहीं थी। ऐसी खतरनाक बारिश तो बस अपने देश भारत में होती है। एक बार तो लगा कि कहीं हम भारत में तो नहीं हैं। बारिश इतनी ज्यादा तेज और भयानक थी कि सड़कें डूब गईं। एयरपोर्ट, दफ्तरों, घरों में पानी घुस गया। शॉपिंग मॉल में पानी घुस गया। सब कुछ बंद करना पड़ा। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई। सड़कों पर खड़ी कारें डूब गईं।

पूर्व आईएएस टूटेजा ....

तथा उनके बटे को पूछताछ करने पचपेड़ी नाका स्थित सब जोनल कार्यालय लेकर गई। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों शराब घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के आरोपों को खारिज करते हुए मनी लांड्रिंग के केस को रद्द कर दिया था। इसके बाद ईडी ने शराब घोटाला मामले में नए सिरे से इंफोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) रजिस्टर्ड कर मामले की नए सिरे से जांच कर रही है। नए ईसीआईआर में अनिल टूटेजा तथा उनके बेटे का भी नाम शामिल है। इसी सिलसिले में ईडी की टीम ने पूर्व आईएएस तथा उनके बेटे को हिसारसत में लिया है।

70 के खिलाफ ....

से गिरफ्तार किया है, जो 25 अप्रैल तक ईओडब्लू की रिमांड पर है। ईओडब्लू ने जो एफआईआर दर्ज की है, उनमें पूर्व आईएएस तथा उनके बेटे यश का भी नाम शामिल है।

झाड़ू-पोंछा की डंडी ...

जुगाड़ किया और चुनाव लड़ रहा हूं। केवल इसलिए कि आम आदमी को गंभीरता से लें। दुर्ग संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे बलदेव साहू ने बताया कि वे 2018 के विधानसभा चुनाव में भी खड़े हुए थे। जिसके बाद वे अब फिर से लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में कूद गए हैं। उन्हें लोग फेरीवाले के नाम से जानते हैं। कई सालों से उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए पच्चीस हजार रूपए जोड़े हैं। यह इतना आसान नहीं है। साइकिल में रोज वे नड्डे-मुरकु, झाड़ू, पोंछा लगाने की डंडी व खिलौने का सामान बेचने निकलते हैं। जिससे आय की राशि को जोडकर वे नामांकन फार्म खरीद पाए हैं। उन्होने संपत्ति के ब्यौरे में बताया कि, वे बीपीएल कार्डधारी है। पिता सुखीराम साहू से उन्हें डेढ़ एकड खेती जमीन मिली है उसी से गुजारा हो रहा है।

मां के इलाज के लिए मांगे दस हजार : बलदेव साहू बताते है कि, वे अपनी मां की आंखों का आपरेशन कराने अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन उनसे निशुल्क होने वाले आपरेशन के लिए दस हजार रूपए की मांग की गई। इस दौरान उन्हें गहरा सदमा पहुंचा। उन्होंने बताया कि, उरला वार्ड की रिक्त जमीन पर मुक्तिधाम में शेड बनाने कई सालों से मांग की गई। इस मांग के लिए वे नेताओं से फरियाद की, जिसके बाद यह कार्य हो पाया है। उनका कहना हैं कि, जब तक राजनीतिक के जरिए दबाव नही बनता, तब तक आम आदमी की मुरादे पूरी नही होती है। इसलिए वे आम आदमी की आवाज बनना चाहते हैं।

दूसरे चरण में 250 उम्मीदवार दागी, कितने उम्मीदवारों के पास है करोड़ों की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दूसरे चरण के चुनाव की वोटिंग 26 अप्रैल को होगी। जिसमें 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों समेत 89 सीटों पर कुल 1210 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। एडीआर (डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे चरण में 250 उम्मीदवार ऐसे हैं जिन पर आपराधिक मुकदमा दर्ज है। इसके साथ ही 33% फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। ऐसे में आइए जानते हैं उन उम्मीदवारों के बारे में जो सबसे अमीर हैं। साथ ही, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

21% उम्मीदवारों का नाम आपराधिक मामलों में

दूसरे चरण में भाग लेने वाले 1198 में से कुल 1192 उम्मीदवारों पर एडीआर ने सर्वे किया। जिसमें 1192 में से 21% फीसदी यानी 250 उम्मीदवारों का नाम आपराधिक मामलों में पाया गया है। वहीं, 14% फीसदी यानी 167 उम्मीदवार गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसे हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 3 उम्मीदवारों का नाम हत्या के मामले में दर्ज है, जबकि 24 का नाम हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी हैं। इसके अलावा 25 उम्मीदवार महिला अपराध से जुड़े मामलों में शामिल हैं। इसमें से एक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है। वहीं, 21 उम्मीदवारों के नाम भड़काउ भाषणों से जुड़े मामले में शामिल है।

किस पार्टी के कितने उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले

प्रमुख राजनीतिक दलों में बीजेपी के 69 में से 31, कांग्रेस के 68 में से 35, सीपीआई के सभी पांच, सपा के सभी चार उम्मीदवारों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज है। इनके अलावा, शिवसेना (शिंदे गुट), शिवसेना (यूबीटी) और जेडीयू के 2-2 उम्मीदवारों पर मुकदमे दर्ज हैं।

33% उम्मीदवार करोड़पति : चुनाव में दिए गए हलफनामों के अनुसार, दूसरे चरण के चुनाव में करीबन 33% फीसदी उम्मीदवार करोड़पति है। प्रमुख राजनीतिक दलों में कांग्रेस के 68 उम्मीदवारों की प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति 39.70 करोड़ रुपये, बीजेपी के 69 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 24.68 करोड़ रुपये, समाजवादी पार्टी के चार उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 17.34 करोड़, शिवसेना (यूबीटी) के चार उम्मीदवार की औसत संपत्ति 12.81 करोड़ रुपये, शिवसेना (शिंदे गुट) के तीन उम्मीदवार की औसत संपत्ति 7.54 करोड़ रुपये है। बता दें कि, 6 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में शून्य संपत्ति घोषित की है।

देश-दुनिया के ताकतवर लोग मुझे सत्ता से हटाने हो गए एकजुट : मोदी

एजेंसी ▶▶| चिक्कबल्लापुर/बेंगलुरु

■ कर्नाटक में 14 सीट पर 26 अप्रैल को, शेष 14 सीट पर 7 मई को मतदान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश और दुनिया के ताकतवर लोग उन्हें सत्ता से हटाने के लिए एकजुट हो गए हैं। उन्होंने चिक्कबल्लापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा देश-दुनिया के बड़े-बड़े ताकतवर लोग उन्हें सत्ता से हटाने के लिए एकजुट हो गए हैं। यह नारी शक्ति और मातृ शक्ति का आशीर्वाद है, उनका सुरक्षा कवच है कि मोदी हर चुनौती से टकराते हुए आगे बढ़ता जा रहा है। बहन-बेटी की सेवा और सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है।

लोगों ने विकसित भारत के लिए किया वोट

प्रधानमंत्री ने कहा कि शुक्रवार को, लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान राजग और विकसित भारत के पक्ष में गया। उन्होंने केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार द्वारा पिछले 10 साल में महिलाओं के कल्याण के लिए उठाये गए कदमों का उल्लेख किया, जिनमें स्वयं सहायता समूहों से उन्हें जोड़ना और 'लखपति दीदी' बनाना शामिल हैं।

इंडिया गठबंधन के पास नेता ही नहीं

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अभी उसके पास कोई नेता नहीं है और भविष्य के लिए कोई दृष्टि नहीं है तथा उनका इतिहास घोटालों का रहा है। मंच साझा करने वाले जद (एस) संस्थापक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की 90 वर्ष की आयु में ऊर्जा की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि वह उनसे प्रेरणा लेते हैं।

देवेगौड़ा बोले- मोदी को मिला था खाली डिब्बा

इससे पहले, अपने भाषण में देवेगौड़ा ने (समाचार पत्र में प्रकाशित) एक व्यंग्यपूर्ण विज्ञापन को लेकर कांग्रेस, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की आलोचना की। विज्ञापन में आरोप लगाया गया था कि मोदी सरकार का कर्नाटक को तोहफा एक खाली डिब्बा है। संप्रग शासन के दौरान हुए टूजी और कोयला घोटाला जैसे भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कांग्रेस शासन के दौरान राज्य और देश के संसाधनों को लूटे जाने के बाद, मोदी को एक खाली डिब्बा मिला था जिसे प्रधानमंत्री ने पिछले 10 साल में अक्षय पात्र में परिवर्तित कर दिया।

पेज एक के शेष

झुलसा देने वाली गर्मी...

डालने गांव से निकलते हैं। घोड़ों पर सामान लादते हैं, परिवार को साथ ले जाते हैं और कभी दूसरे दिन कभी तीसरे दिन लौट जाते हैं। चुनाव के एक दिन पहले गांव के मतदाता पैदल पहाड़ी रास्ते के सहारे कुल्हाडीघाट 25-30 किलोमीटर पैदल सफर कर आते हैं। रात्रि विश्राम कुल्हाडीघाट में करते हैं साथ ही मतदान करने के बाद दूसरे दिन फिर पैदल अपने ग्रामों के तरफ वापस जाते हैं। घने जंगलों और पहाडियों के कारण सरकारी योजनाओ का लाभ यहां के ग्रामीणों को नही मिल पा रहा है।। आने और जाने में इन्हें करीब 40 से 50 किलोमीटर तक का सफर करना पड़ता है। **पेड़ के नीचे, आंगनबाड़ी में रुक जाते हैं :** ग्रामीणों ने बताया कि अब तक कोई भी राजनीतिक पार्टी के नेता तो बहुत दुर कार्यकर्ता भी हमारे गांव में वोंट मांगने के लिए नही पहुचे है, ग्राम पंचायत के सचिव प्रेम ध्रुव और बीएलओ सुखराम नागेश पिछले दिनों पहुचे थे, उन्होने ग्रामीणों को बताया कि 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव है जिसके मतदान के लिए ग्रामीण 25 अप्रैल को पैदल ग्राम कुल्हाडीघाट शाम तक पहुचेंगे और 26 अप्रैल को मतदान करने के बाद 27 अप्रैल तक अपने ग्राम वापस लौटेंगे ग्रामीणों ने बताया कि मतदान हमारा अधिकार है। हम लोग हर चुनाव में मतदान करने आते हैं साथ ही अपने साथ भोजन की भी व्यवस्था लेकर आते हैं, कोई व्यवस्था नही किया जाता उन्होने बताया कि कई लोग अपने रिश्तेदारों के यहा रूक जाते हैं। कई लोग पेड़ के नीचे तो कुछ लोग स्कूल आंगनबाडी में आश्रय लेते हैं। **राशन सामग्री के लिए घोड़े का उपयोग :** यहां के लोगों राशन ले जाने के लिये घोड़े का उपयोग करना पड़ रहा है। दुर्गम रास्ते एवं सड़क के अभाव मे पिछले कई वर्षो से राशन सामग्री के लिये आदिवासी कमार जनजाति के लोगों का एकमात्र सहारा घोड़ा ही है।

सरपंच ने कहा- वोट के लिए एक दिन पहले निकलेंगे : ग्राम पंचायत कुल्हाडीघाट की सरपंच श्रीमति धनमोति सोरी, पूर्व सरपंच बनसिंग सोरी ने बताया कि गांवों में सड़क नहीं है इसलिए ग्रामीण घोडे के सहारे राशन सामग्री कुल्हाडीघाट से पहाडी के गांव तक ले जाते हैं। वोटिंग के लिए एक दिन पहले निकलते हैं और दूसरे दिन गांव लौटते हैं क्योंकि आते आते शाम हो जाती है ऐसे में रात को लौटना ठीक नहीं होता। सचिव प्रेमलाल ध्रुव ने बताया ग्रामीण मतदान करने 20 से 25 किलोमीटर पैदल आते हैं। पहाड़ी के ऊपर गांव में लगभग 350 मतदाता हैं।।

इनकी आपबीती...

ग्रामीण जयसिंह कमार, राजमन कमार, चरणसिंह कमार, परमेश्वर कमार, सुंदर कमार, सीताराम कमार, दुलेश्वरी मरकाम, जगनी बाई सोरी, मोहनी सोरी एंव भागवती ने बताया कि हर चुनाव में मतदान करने के लिए पैदल आते हैं और उन्हे तीन दिन का समय लग जाता है।

महानदी हादसा : लापता...

चांटीपाली सामुदायिक केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया था। जहां शनिवार को पीएम के बाद शवों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। शनिवार की सुबह से खरसिया विधायक उमेश पटेल परिजनों की मदद के चांटीपाली में मौजूद रहे।

4-4 लाख की...

देते हुए विधायक रायगढ़ एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा जिला प्रशासन को राजस्व सहायता पुस्तक परिपत्र के तहत मृतकों के परिवार जन को 4-4 लाख रुपए दिए जाएंगे।

आज योगी की तीन...

आदित्यनाथ की तीन सभाएं होंगी। इसके बाद अगले दिन 22 अप्रैल मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की तीन सभाएं और केंद्रीय मंत्री अमित शाह की एक सभा कांकेर में होगी। छत्तीसगढ़ में लोकसभा के चुनाव तीन चरणों में हो रहे हैं। पहले चरण में बस्तर की सीट पर मतदान हो चुका है। अब तीन सीटों राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर में 26 अप्रैल को मतदान होना है। इन सीटों पर चुनाव से पहले 24 अप्रैल को चुनाव प्रचार थम जाएगा। इसके पहले यहां पर सभाएं होंगी।

कल नड्डा की तीन सभाएं : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का पहला दौरा सोमवार को होने वाला है। उनके इस दौरे में एक साथ तीन सभाओं की रणनीति बनी है। पहली सभा बिलासपुर के लोरमी में होगी। इसके बाद दूसरी सभा दुर्ग लोकसभा के भिलाई और तीसरी रायपुर लोकसभा के चंदखुरी में होगी।

योगी की खुज्जी, कोरबा...

अब रविवार को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा तय की गई है। यह सभा राजनांदगांव लोकसभा के खुज्जी में 12.15 बजे होगी। इसके बाद कोरबा में 2 बजे और 4 बजे बेलतरा में सभा होगी। इन सभाओं में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव के साथ भाजपा के विधायक और सांसद रहेंगे।

आम सूचना
(इकरारनामा निरस्तीकरण की सूचना)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रेवा राम साहू पिता श्यामू राम साहू निवासी मोती नगर, रायपुर, जिला-रायपुर, छ.ग. द्वारा अपने हक व कब्जे की भूमि ग्राम सिहाद, प.ह.नं.-19, रा.नि.मं. व तहसील कुरूद, जिला धमतरी, छ.ग. मे स्थित है जिसका खसरा नंबर 270/3 रकबा 0.0530 हे. (40 146=5840 वर्गफीट) है को क्रेता सुनील कुमार साहू पिता श्री सोनू राम साहू निवासी वार्ड नंबर 05, धमतरी, प्रकृति निवास, गुजराती कॉलोनी, धमतरी, जिला-धमतरी, छ.ग. को विक्रय करने हेतु सौदा कर लिया था और इस संबंध मे दोनों के मध्य दिनांक 28.06.2023 को बिक्री इकरारनामा का भी निष्पादन किया गया था।

दिनांक 28.06.2023 को निष्पादित इकरारनामा के अनुसार क्रेता सुनील कुमार साहू द्वारा उक्त भूमि का रजिस्ट्री बैनामा दिनांक 25.12.2023 तक कराना था जो कि आज दिनांक तक नही कराया गया है।

अतः आज दिनांक 20.04.2024 को मेरे पक्षकार रेवा राम साहू पिता श्यामू राम साहू, एवं क्रेता सुनील कुमार साहू पिता श्री सोनू राम साहू के मध्य निष्पादित इकरारनामा निरस्त किया जाता है अब उनके मध्य कोई इकरारनामा विघमान नही है। सूचनार्थ प्रकाशित।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 20.04.2024

भवदीय
गोपीचंद साहू एडव्होकेट
सर्वोदय नगर, पचपेढ़ी नाका,
रायपुर, छ.ग. मो. 9300211285

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सिगनलिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: 169-एसटी-टेंडर-2024, दिनांक: 13.04.2024. कार्य: " एसएई/सिग/रायगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ट्रैक नवीनीकरण कार्यों के संबंध में एस एंड टी कार्य (1) बिलासपुर डिवीजन- टीटीआर (सीएस + सीएमएससी) – 153 सेट, टीटीआर (सीएस)–28 सेट और टीटीआर (टीडब्ल्यूएस + डब्ल्यूसीएम एससी)– 05 सेट, (2) बिलासपुर डिवीजन- टीटीआर–सीएस–64 सेट, सीएमएससी–2 सेट, सीएस + सीएमएससी–40 सेट, सीएस–72 सेट, टीडब्ल्यूएस + सीएम एससी–50 सेट, टीडब्ल्यूएस+ डब्ल्यूसीएम एससी–37 सेट, एफएस + टीडब्ल्यूएस + डब्ल्यूसीएमएससी–20 सेट और एफएस + सीएस + सीएमएससी–02 सेट और टीबीआर–48 सेट, (3) बिलासपुर डिवीजन- टीआरआर (पी) 67.789 किलोमीटर, (4) चांपा जं.-बिलासपुर जं.-टीआरआर (पी) - 21.775 किलोमीटर और झारसुगुड़ा जं. चांपा जं.– टीआरआर (पी)– 17.638 किलोमीटर, (5) चांपा जं.–बिलासपुर जं.–सीटीआर (एस/पी)– 5.419 किलोमीटर और चांपा जं. – झारसुगुड़ा जं. सीटीआर (एस/पी)–4.131 किलोमीटर, (6) बिलासपुर डिवीजन- टीआरआर (पी)– 60.645 किमी. और (7) बिलासपुर डिवीजन –सीटीआर (एस)–39.729 किलोमीटर।" **निविदा मूल्य:** ₹ 8,10,35,369.80 (₹ आठ करोड़ दस लाख पैंतीस हजार तीन सौ उनहत्तर दशमलव आठ शून्य मात्र)। **अग्रिम राशि:** ₹ 5,55,200/- (₹ पांच लाख पचपन हजार दो सौ मात्र)।

निविदा जमा करने की तिथि: 06.05.2024 को 15:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजी./ बिलासपुर
सीपीआर/10/23
South East Central Railway @secrail

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/भट/जग/रोज/2023/212

सूचना

जगन्नाथपुर खुली खदान परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण के एवज में नियमानुसार रोजगार देने की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में ग्राम चउरा, जगन्नाथपुर की भू-स्वामी द्वारा रोजगार के बदले आर्थिक मुआवजा प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है :-

क्र.क्र.	ग्राम का नाम	1 ए का क्रमांक	9 (1) के समय भूस्वामी	खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	कुल रकबा (हे. में)	रकबा (एकड़ में)	रोजगार की संख्या
30	चउरा	261	शिवरती आ0 रामवृक्ष जायसवाल	220/1	0.134			
				763/2	0.248			
				766/2	0.083			
				774/2	0.190			
				782/4	0.607			
				796/2	0.236			
				6	1.498	1.498	3.702	1 रोजगार
42	जगन्नाथपुर	178	नोहरसाय आ. समरथ गोंड़ साकिन सलका (प्रेमनगर) (फौत)	1340	0.48			
				1428	0.19			
				1465	0.07			
				1466	0.15			
				1478	0.29			
				1567/1	0.21			
			वर्तमान भूमि स्वामी:- चन्दन कुरूम आ. नोहरसाय कुरूम	1598	0.37			
				1662	0.25			
				8	2.01	2.01	4.97	02 रोजगार

उपरोक्त दर्शाये गये भूमि खसरा नम्बर के सामने दर्शाये गये भू-स्वामी को रोजगार के बदले आर्थिक मुआवजा दिया जाना है। जिसमें यदि किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति है, तो समाचार पत्र में प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर निम्नलिखित पते पर लिखित शिकायत दर्ज कर सूचित करें।

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र

राशिफल

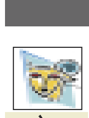
मेष मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

नोटिस
प्राचार्य- सह-अध्यापक एवं आया के एक-एक पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है

संख्या-डब्ल्यू-पांच-01/2024-स्था-सात — दिनांक 18 अप्रैल, 2024

यह सूचित किया जाता है कि इस ग्रुप केन्द्र द्वारा संचालित मांटेसरी स्कूल में एक प्राचार्य-सह-अध्यापक एवं एक आया के रिक्त पदों को भरने की आवश्यकता है। जिसके लिए अस्थाई नियुक्ति के संबंध में इच्छुक उम्मीदवार को आवेदन करने हेतु इस कार्यालय द्वारा दिनांक 04/04/2024 को नोटिस जारी किया गया था। परन्तु पर्याप्त उम्मीदवार का आवेदन प्राप्त नहीं होने की वजह से इस नोटिस के जरिए योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवारों से पुनः आवेदन आमंत्रित किया जाता है। प्राचार्य-सह-अध्यापक एवं आया के आवेदकों की योग्यताएं निम्न प्रकार से होनी चाहिएः-

प्राचार्य-सह-अध्यापक :-
1. माध्यमिक पास एवं नर्सरी टीचर ट्रेनिंग या
2. जे.बी.टी./अन्य टीचर कोर्स या
3. स्नातक एवं बी.एड या
4. स्नातक एवं पढ़ाने का अनुभव

आया के लिए :-
1. किसी नर्सरी स्कूल में बच्चों की देखभाल करने का अनुभव होना चाहिए

मानदेय :-
प्राचार्य-सह-अध्यापक - रू. 8,000/- प्रतिमाह
आया - रू. 4,000/- प्रतिमाह

इच्छुक उम्मीदवार जो Civilian एवं केरिपुबल से सेवा निवृत्त अथवा कार्यरत कार्मिक के बच्चे/रिश्तेदार, अपना आवेदन पत्र (Bio Data), शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभवों का उल्लेख करते हुए पूर्ण विवरण के साथ दिनांक 25/04/2024 को 16:00 बजे तक ग्रुप केन्द्र ग्राम-भिलाई आरंग, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़)-493441, के मुख्य कार्यालय में जमा करवाना सुनिश्चित करेंगे। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 25/04/2024 होगी एवं दिनांक 29/04/2024 को 11:00 बजे नियुक्ति हेतु साक्षात्कार लिया जायेगा। आवेदन प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवारों को अलग से पत्राचार द्वारा कोई सूचना नहीं दी जाएगी। प्राचार्य-सह-अध्यापक एवं आया का कार्यकाल पुर्नतः अस्थाई रहेगा तथा ये सभी कभी भी स्थाई करने हेतु मांग नहीं करेंगे।

पुलिस उप महानिरीक्षक
ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, रायपुर

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/भट/उक्षे0/जग0/रोजगार/2024/2432

सूचना

जगन्नाथपुर खुली खदान परियोजना हेतु ग्राम-जगन्नाथपुर, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर स्थित निम्नलिखित भूमि स्वामियों की भूमि सी0बी0ए0 एक्ट की धारा 9(1) दिनांक 04.08.2010 के तहत् अधिग्रहित की गयी है। ग्राम जगन्नाथपुर की मकान मुआवजा सूची के अनुसार मकान का विवरण निम्न प्रकार है :-

अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है :-

क्र.	मकान मालिक का नाम, पिता/पति का नाम, जाति	भूमि स्वामी का नाम, पिता/पति का नाम, जाति	खसरा नं.	रकबा (हे.)	मकान, कुंआ, बाउन्ड्रीवाल तथा पेड़-पौधा का विवरण	किस्म कच्चा/पक्का एवं (कुंआ की गोलाई)	लम्बाई/(कुंआ की संख्या)	चौड़ाई	क्षेत्रफल (वर्ग/मीटर)	दर	मुआवजा राशि	30 प्रतिशत सोलेशियम	कुल मुआवजा
106	लखनू पिता बलदेव, अमित पिता लखनू, सुनिल पिता लखनू, नवीन पिता लखनू, फुलमती पिता लखनू, ललित पिता लखनू	सोमारू, मुन्ना, रामेश्वर आ. बहाल, मु. चरकी बेवा बहाल, जयराम आ. बलदेव, लखनू आ. बलदेव, रामनाथ आ. कासी उरांव	1490	0.30	मकान	कच्चा मिट्टी दीवाल खपरैल पोश	19.60	14.50	284.20				
					आंगन	(-)	5.00	4.10	20.50				
									263.70	1261.00	332526.70	99757.71	432283.41
										70000.00	70000.00	21000.00	91000.00
										Total	402526.70	120757.71	523283.41

ग्राम जगन्नाथपुर के मकान मुआवजा सूची का सत्यापन राज्य शासन के सक्षम अधिकारियों द्वारा किया गया है। उपरोक्त दर्शाये गये मकान मुआवजा सूची के अनुसार मकानधारक को मकान का मुआवजा भुगतान मकान तोड़कर खाली करने के उपरांत किया जाना है। जिसमें यदि किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति है, तो समाचार पत्र में प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर निम्नलिखित पते पर शिकायत दर्ज कर सूचित करें।

पता– कार्यालय–उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, जगन्नाथपुर, पोस्ट–धरमपुर,थाना/तहसील–प्रतापुर, जिला–सूरजपुर छ0ग0।

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, भटगांव क्षेत्र

शब्द पहेली - 5488

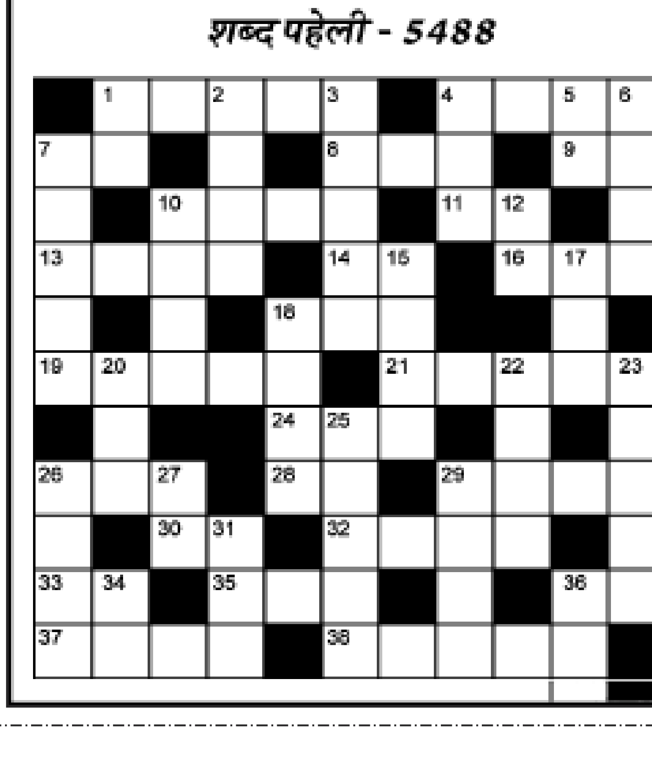

बाएं से दाएं
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठिर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 5487 का हल

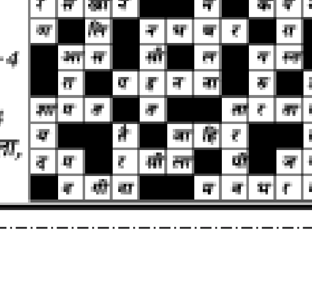

सूडोकू नवताल - 5499

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5498 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

MANJUL SINHA BANGALORE

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है हमारी पृथ्वी

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

मोटिवेशन / अतुल मलिकराम

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

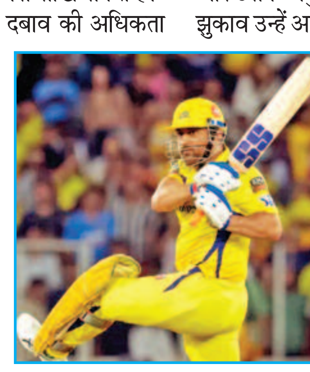

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनताः बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवादः धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

कहानी
यशोधरा भटनागर

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

एलबम

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झाड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए,
प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

इलाज के दौरान बुजुर्ग की हुई मौत

कांकेर। बांदे थानांतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बांदे में ईलाज के दौरान छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोरखंडी निवासी 60 वर्षीय रामाराम कवाची पिता स्व. मुंशीराम का ईलाज के दौरान मौत हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक ने जहर खा लिया था, जिसे ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

पुलिस ने जब्त किया चार लीटर महुआ शराब

कांकेर। दुधावा चौकी अंतर्गत मांडाभर्री निवासी 21 वर्षीय कलिका नेताम पिता सकूनराम के कब्जे से पुलिस ने 19 अप्रैल को शाम करीबन 5 बजे 4 लीटर महुआ शराब और नगद 200 रूपए को जप्त किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 34 (1) (क) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

ओडिशा से तस्करी, 2 लाख 10 हजार का गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

गांजा लेकर ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से 14 किलो गांजा जब्त किया

- कोमाखान पुलिस ने पैदल गांजा का परिवहन कर रहे शख्स को किया गिरफ्तार

गया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 20 बी नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुये छत्तीसगढ राज्य के सीमावर्ती राज्य ओडिशा से लशीली पदार्थ/अवैध मादक पदार्थ गांजा का परिवहन महासमुंद के रास्ते किये जाने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक महासमुंद ने समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को नशीली पदार्थ, अवैध शराब तथा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई तथा सघन चेकिंग अभियान करने हेतु निर्देशित किया गया था।

इसी बीच शुक्रवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपने साथ एक काला नीला रंग के बैग अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री करने हेतु ओडिशा से महासमुंद, छत्तीसगढ़ पैदल आ रहा है। कोमाखान की पुलिस टीम के द्वारा खट्टी-कोमाखान चेकिंग नाका के पास में जांच की जा रही थी, तभी एक व्यक्ति पैदल आता दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर व्यक्ति ने अपना नाम आरोपी नारायण मेहेर पिता शिशुपति (45) मकटीगुड़ा थाना जूनागढ़ जिला कालाहांडी ओडिशा होना बताया।

स्कूल बस की ठोकर से बाइक चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

बसना थाना क्षेत्र के ग्राम सागरपाली के पास स्कूल बस के ठोकर से काम करने जा रहे युवक की मौत हो गई। ग्राम कंचनपुर निवासी सीताराम पटेल ने पुलिस को बताया कि 18 अप्रैल की रात करीब 9 बजे उसका भतीजा राम प्रसाद पटेल अपने मोटर सायकल हीरो होंडा डिलक्स क्रमांक सीजी 06 के 5854 में कंचनपुर सांकरा से पिपलीपाली ईंट रचने अपने अन्य साथी रामनाथ पटेल, खेमलाल पटेल व डिग्रीलाल पटेल के साथ अलग-अलग बाइक से जाने के लिए निकला था।

इसी दौरान रात करीब 9:40 बजे ग्राम सराईपाली-बरोली रोड के पास बरोली तरफ से आ रही पीले रंग की स्कूल बस क्रमांक सीजी 06 एच 0109 ने राम प्रसाद पटेल के बाइक को सामने से ठोकर मार दी। हादसे में वह घायल हो गया। उसे एंबुलेंस के माध्यम से इलाज हेतु शासकीय अस्पताल बसना ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चेक कर उचित इलाज हेतु रेफर कर करने पर राम प्रसाद को रायपुर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उसने साल्हेतराई बांध के पास दम तोड़ दिया।

पुलिस ने मामले की शिकायत के बाद आरोपी स्कूल बस चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत अपराध कायम किया है।

खाना परोसने की बात पर दो पक्ष आपस में भिड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

पखांजुर थानांतर्गत पीव्ही 11 कृष्णनगर में खाना परोसने की बात को लेकर विवाद हो गया। दोनो पक्ष ने थाना में पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। दोनों पक्षों की बात सुन पुलिस ने काउंटर केस दर्ज किया है।

- दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज

पखांजुर थाना में शिकायत करने पहुंचे पीव्ही 11 कृष्णनगर निवासी 27 वर्षीय जयदेव बनिक पिता दिलीप बनिक ने पुलिस को बताया कि 18 अप्रैल को गांव के तपन सरकार के यहां शादी कार्यक्रम था। जहां खाना परोसने की बात को लेकर अमृत दास और मेरे भैया दिनेश बनिक के बीच विवाद हुआ था। मारपीट की बात को अमृत दास अपने पिता हर्षित दास को बताया था। कुछ समय बाद रात करीबन साढ़े 12 बजे हर्षित दास अपने घर से बाहर निकलकर कच्ची सड़क के पास आकर मेरे परिवार वालों को गाली-गलौज कर रहा था। मेरी भाभी खुशी बनिक गाली-गलौज सुनकर घर से बाहर निकली तो हर्षित दास ने मेरे भाभी को गाली गलौज कर बोल रहे थे कि तेरे पति ने मेरा बेटा अमृत दास के साथ लड़ाई किया है। मैं आवाज सुनकर घर से बाहर निकला और हर्षित दास को बोला कि भाभी को क्यों गाली दे रहे हो? तो उसी समय सुब्रत दास आवेश में आकर गाली गलौज करते हुए पाईप से मारा एवं मेरे भाई दिनेश बनिक को हर्षित दास द्वारा हाथ मुक्का से मारपीट किया है। मारपीट से मेरे सिर में चोट एवं दिनेश बनिक के दाहिना हाथ व गला में चोट लगा है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 34 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

दूसरे पक्ष से पीव्ही 11 कृष्णनगर निवासी 48 वर्षीय हर्षित दास पिता खोखन दास ने पुलिस को बताया कि 18 अप्रैल को गांव के तपन सरकार के घर शादी कार्यक्रम था। मेरा छोटा बेटा अमृत दास कार्यक्रम में गया था, जहां से रात करीब साढ़े 12 बजे अमृत वापिस घर आया। उस सयम मैं अपने घर के सामने दुकान के पास था। मुझे बताया कि दिनेश बनिक के साथ मेरा खाना परोसने की बात को लेकर विवाद कर मारपीट किया है।

---

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल
SACHDEVA NEW PT. COLLEGE
RAIPUR : 0771-4080090
BHILAI : 0788-2261637
DROPPER
CRASH
NEET
CUET
PET/PAT
EFFECTIVE STUDY MATERIAL
BEST RESULTS
BEST FACULTY
MEDIUM : ENG./HINDI
SUMMER/REGULAR COURSE
X-XI-XII
CBSE/CG BOARD

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- पंथ श्री गृन्धमुनि नाम साहेब स्मृति चिकित्सालय, कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा, बलौदा बाजार, (छ.ग.) अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है:- नर्स, ओटी नर्स, लैब टेक्निशियन, एक्स-रे टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, वार्डबॉय। आवास निशुल्क। **संपर्क करें:- 9977977214.**(RO-2683)

गोडाऊन/ड्रायवर

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लडके एवम टाटा एस चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है । **सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर फोन 4092158.**(RO-39)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- किराना व डेलीनिड्स की दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारियों की (अनुभवी को प्राथमिकता) **संपर्क:- सी-मार्केट सेक्टर-6 भिलाई मो.-98266-84859, 81093-02808.**(आरो न.-6068)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं,आकर्षक वेतन । **संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट,पंडरी,रायपुर ।** (RO-39)

आवश्यकता है- रेडिमेट कपड़े के दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित **संपर्क करें - प्रिया ड्रेसेज, चिकनी मंदिर के पास, रायपुर मो 8839050010.**(RO-4305)

इलेक्ट्रिशियन

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिशियन की आवश्यकता है रायपुर शहर में बिजली फिटिंग करने हेतु अनुभवी एवं मेहनती लड़के की आवश्यकता है तुरंत **संपर्क करें नरेंद्र साहू ब्राह्मण पारा रायपुर फोन 7024177554. 8120747449.**(RO-951)

देखरेख

आवश्यकता है- नंदनवन हथबंध रोड स्थित फार्म हाउस देखरेख हेतु मेहनती युवक परिवार वाला चाहिए। **सम्पर्क करें: मो. नं. 8109411676, 6263558400.**(RO-7470)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोलबाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.**(RO-2675)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- स्टेशनरी दुकान चौबे कॉलोनी रायपुर में डिलीवरी कार्य करने हेतु नवयुवकों की आवश्यकता है अनुभवी या फ्रेशर उम्र 18 से 30 **सम्पर्क करें- 9754247247.**(RO-4407)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ट्रक ड्राइवर की आवश्यकता है 14 चक्का लेलेंद्र लाइन में चलने के लिए वेतन- 15000+ फिक्स चक्कर ट्रिप- 15000+ प्रति ट्रिप **संपर्क करें- 9109191899. 94252-13622.** (RO-952)

आवश्यकता है- तेलीबांधा रायपुर के पास टाटा ऐस और ऑटोमेटिक कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर व टाटा ऐस में चलने और अन्य हमारली कार्य के लिए लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क:- 9754160228.**(RO-1212)

आवश्यकता है- ट्रैक्टर ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी 12000/- रेती गिट्टी में ट्रैक्टर ट्राली चलाने हेतु आठवीं दसवीं पास को मान्यता **मोबाइल नंबर 9329847040.**(RO-507)

आवश्यकता है- विज्ञापन वेन (टाटा एस) चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है जो नशा न करता हो उम्र 30 - 45 वर्ष वेतन- 10,000 से 15,000 रहने की सुविधा एवं 1 चपरासी 7000 - 9000 **संपर्क:- 7974 351591, 8109946664. मां एड एजेंसी रायपुर**(RO-3962)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सुपरवाइजर हेतु लड़कों की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध **पता:- अशोक इंटरप्राइजेस आर्शीवाद धर्मकांटा के पास बरगांव उरला रायपुर मोबाइल 8770676924.**(RO-4408)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- प्लांट सुपरवाइजर एवं मार्केटर की आवश्यकता है **कविता पालीमर्स, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी,रायपुर छ.ग. मो नं. 9425202114.**(RO-1453)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट एजेंसी में कार्य करने हेतु ड्राइवर(टाटा एस) एवं हेल्पर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करें (केवल भिलाई & दुर्ग)के लिए- 88394-12038.**(आरो न.-456)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रॉपर्टी की मार्केटिंग के लिए लड़के / लड़कियों की आवश्यकता है मासिक वेतन + कमीशन के साथ योग्यता 12वीं पास इंटरव्यू -दिनांक 21/4/24 को सुबह 10से 12बजे तक **संपर्क- 4th फ्लोर, चौहानपार्क व्यू जूनवानी रोड, भिलाई (छ.ग.) चौहान ग्रुप संपर्क** - mo-**79995-39844, 93004-08631, 94241-36179.**(आरो न.-6329)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैंटीन में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने एवं बर्तन धोने लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा। **पता- बिलासपुर 9993334937, 8871824812.**(RO-BSP)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- डूमरतराई में C&F कंपनी में पैकिंग कार्य हेतु मेहनती 10वीं पास लड़कों की आवश्यकता है मिलने का समय सोमवार दोपहर 12:00 बजें राखी डिस्ट्रीब्यूटर्स पता- औषधि वाटिका, मेडिकल कंपलेक्स डुमरतराई रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल- 99261-33233, 8959884849.(RO-1199)

टेलर

आवश्यकता है- एक अनुभवी लेडीस गारमेंट्स टेलर और कटिंग मास्टर की आवश्यकता है वेतन 15000 से शुरू **सम्पर्क करें- 8200827236, 9827198700.**(RO-BSP)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

सेल्समेन/टेलर

आवश्यकता है- क्लॉथ स्टोर्स में कार्य करने के लिए सेल्समेन/ गर्ल एवं टेलर (कारीगर)की आवश्यकता है संपर्क :-दिनेश फर्निशिंग जवाहर मार्केट पावर हाउस भिलाई मो.- 9893307471, 9425207474(आरो न.-452)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- सोना चांदी दुकान में सामान बेचने स्टाफ की आवश्यकता है। पेमेंट 8000/- से 15000/- तक, माल बेचना सिखा दिया जाएगा, मार्केट में पश्चिम वाले को प्राथमिकता **संपर्क :-सुरेश ज्वेलर्स हलवाई लाइन रायपुर समय 1 से 8 बजे तक। 9893994319.** (RO-1449)

आवश्यकता

आवश्यकता है- हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं , 8/10/12 वी फेल लड़के / लड़कियां ना हो निराश मेडिहब्स होम हेल्थ केयर से जुड़ कर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह + रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु **संपर्क करें ऑफिस रायपुर : 7772011223.** (RO-3919)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 28 वर्ष सैलरी 5000 से 20000 तक कमाने का अवसर **पता खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर 9981898334, 7470490884.**(RO-1198)

आवश्यकता है- ग्वालियर में रहकर ऑफिस कार्य, टेलीकालिंग हेतु 20 से 30वर्ष के लड़के चाहिए सैलरी 7000+ कमीशन+ बोनस से कमाए 15000 से 20000 **पता- हरिओम कालोनी मुरार ग्वालियर (म.प्र.) 9575123961, 7024944405.**(RO-33778)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर आगरा में रहकर आफिस कार्य हेतु 10/12वीं ग्रेजुएट 18-28 वर्ष के अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 7000+ कमीशन+ बोनस रहना खाना **पता- जयपुर हाउस कॉलोनी आगरा यूपी 9759466366.**(RO-33779)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (18000-55000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ SMS/ WhatsApp/ **करें - 07903284986.** (RO-33)

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें- 8420183092.**(RO-100)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - रायपुर विकास नगर गुढ़ियारी में 3000 वर्ग फीट आवासीय डायवर्टेड प्लांट बेचना है। **संपर्क करें मोबाइल- 9039182120, 8085986891.**(RO-953)

प्लॉट बेचना है - शिवनाथ नदी से लगा बेलोदी में फार्म हाउस के लिये उपयुक्त एवं खोपली रोड उतई में फ्रेश कटिंग प्लाट उपलब्ध है। **सम्पर्क - 90987-02896.**(आरो न.-SPD/774)

मकान

मकान बेचना है- चांगोराभाटा मे 750 वर्गफुट 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ स्वतंत्र नया मकान एवं रायपुरा सत्यम विहार कॉलोनी 1100 फुट प्लॉट बेचना है **संपर्क:- 9300505421, 9993451070.**(RO-2679)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

भूमि

भूमि बेचना है- दुर्ग अंजोरा- रायपुर भारतमाला हाईवे के नज़दीक बिरेझर में फार्म हाऊस हेतु उपयुक्त 11000 sqft. प्लॉट मात्र 111/- फीट में उपलब्ध है। मो. न. 99931-35732. (आरो न.-455)

हरिभूमि क्लासीफाईड

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर...

हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन एक साथ प्रकाशित किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें- 7987119756, 6263818152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
सोनी वर चाहिए 33 साल की लड़की के लिए अच्छा बिजनेस हो या अच्छी नौकरी हो विधुर छोटे बच्चों वाला लड़का चाहिए जाति बन्धन नही केवल छत्तीसगढ़ के ही फोटो और अपना बायोडाटा
व्हाट्सएप करें- 9644590164

वधु चाहिए

वधु चाहिए
राजपूत डिवोर्सी 38 वर्षीय स्वयं का व्यवसाय आय 8 लाख सालाना, युवक हेतु घरेलू , संस्कारी, स्लिम, सुंदर, गरीब परिवार की हो या अनाथ हो, वधु चाहिए, कोई दहेज नही। मंदिर में शादी, जाति बंधन नही।
संपर्क करें 9981897950

वधु चाहिए- श्रीवास्तव वर 36 वर्ष, 5'-9'' रंग गोरा, स्वयं का व्यवसाय, शिक्षा बीए, गोत्र कश्यप हेतु वधु चाहिये। सभी सामान्य जाति मान्य। (मैरिज ब्यूरो क्षमा) सम्पर्क करें- 8349730630, 99937 12905 (6058)

वधु/वर चाहिए

वर/वधु चाहिए- जीवन साथी चाहिए जाति बन्धन नहीं परिवार में मां है जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना है सम्पर्क करें- 9575030565 (33809)

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- फैक्ट्री हेतु सुरक्षागार्ड, वेतन 12000 से 19000 तक (PF+ ESI+Bonus+ रहना फ्री) मेस की सुविधा 8वीं से स्नातक वेतन प्रतिमाह 7 तारीख को **संपर्क करें:- शिव सिक्योरिटी सर्विस, शॉप नंबर 28, प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल 07714036689, 8120957510, 9770304037.**(RO-1186)

आवश्यकता है- रायपुर लिमिटेड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 MO. **8109070600, 7869230888.**(RO-1174)

आवश्यकता है- तत्काल सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। PF, ESIC की सुविधा, रहने की व्यवस्था कम्पनी द्वारा **सम्पर्क करें- रेजिट सिक्युरिटी एण्ड कन्सल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड शंकर नगर रायपुर 9165931618.**(RO-BSP)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- रोहित मेहता सिक्योरिटी एजेंसी भूत पूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड के लिए DGR रेट पर IOCL कोरबा में **संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 6280606010.**(RO-2684)

डिजाइनर/बैकऑफिस

आवश्यकता है- एम.जे. मार्केटिंग को आवश्यकता है- ग्राफिक्स डिज़ाइनर-1, सुपरवाईजर -5, बैकआफिस-3, डिलीवरी बॉय -20 रहने की सुविधा उपलब्ध है। पता- जीत कोल्ड स्टोर के पास, दुर्गा पेट्रोल पम्प के पीछे गोंदवारा, रायपुर (C.G.) **संपर्क हेतु- 07748084442, 7999826631, 7509865451.**(RO-2676)

टीचर

आवश्यकता है- अंग्रेजी, विज्ञान समूह (गणित/बायो) कॉमर्स, संस्कृत, आर्ट्स शिक्षक/ शिक्षिका हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं । साक्षात्कार 28/04/24 (रविवार) को प्रातः 8:30 से 10:30 **संपर्क नूतन उच्च माध्यमिक शाला, आरडीए कॉलोनी टिकरापारा रायपुर मोबाइल 9009088455, 6260449398 कार्यालय में जमा करें ।**(RO-1197)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- वेल्डर वा हेल्पर की परमानेंट नौकरी के लिए और काम सीखने के लिए **संपर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्क्स, धमधा रोड बायपास के नजदीक,दुर्ग** no. **91799-56608.**(आरो न.-1075)

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
9098889899

टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
परखनली शिशु केन्द्र

1994 से आपकी सेवा में
उपलब्ध सुविधाएं
- आई.व्ही.एफ.
- इक्सी
- आई.यू.आई.
- लेप्रोस्कोपी
- हिस्ट्रोस्कोपी
संपर्क
डॉ. विजया वाकोडकर
वाकोडकर नर्सिंग होम
नेहरू नगर वेस्ट भिलाई
फोन : 9329029731

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मालामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई

जैसे जैसे सोना चकमकता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

निवेशकों को क्या करना

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

सोने में निवेश के तरीके

फिजिकल गोल्ड

सोने की सलाखें और सिक्के: यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

सोने की जूलरी: आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

पेपर गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड: ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ): ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन: ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

डिजिटल गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले ऐप्स: कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

***क्रिप्टोकरेंसी:** कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।

टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव

बिजनेस डेस्क

मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स ने निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

मल्टी कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप फोकस्ड फंड : ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि वे लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण वे तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि करा सकते हैं।

मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड: ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण वे पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाइ करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

ईएलएसएस फंडों ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट

बिजनेस डेस्क

देश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये

एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये

डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरुरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।
- किसी बिजनेस को फाइनेंस करने या किसी निवेश को करने के लिए लिया जा सकता है।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो।

सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

बिजनेस साइट

मोशन कोटा भिलाई सेंटर में जेईई और नीट बैच का शुभारंभ

भिलाई। विगत वर्षों में क्षेत्र के छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के अच्छे रिस्पांस को देखकर लगातार बेहतर परिणाम प्राप्त किए जाने के बाद, इस वर्ष भी कक्षा 11वीं में पहुंचे छात्र-छात्राओं को विशेष ध्यान में रखकर जेईई और नीट टारगेट बैच 2026 की शुरुआत मोशन भिलाई सेंटर में की गई है। इस अवसर पर सेंटर के डायरेक्टर नितिन पंड्या और उनकी एक्सपर्ट टीम ने छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। टारगेट-2026 को अपना प्रमुख उद्देश्य बनाकर उसे कैसे प्राप्त किया जाए हेतु अनेक टिप्स दी।

उत्सुक छात्र-छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देते हुए नितिन पंड्या ने बताया कि इन 1-2 बेहतरीन वर्षों में नीट/ जेईई की परीक्षा में सफलता मिलना आसान हो जाएगा। जैसे बहुत सारे टॉपिक के अनुसार समय-समय पर नियमित टेस्ट व ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज, मोशन एप के द्वारा वीडियो लेक्चर व अन्य कई माध्यमों से छात्र-छात्राओं को लगातार सुधार करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा डाउट क्लीयरिंग क्लासेज और सेशन आदि का भी सहयोग दिया जाएगा। इस संबोधन को आगे बढ़ाते हुए मेंटर शिक्षकों की टीम और रीजनल सेंटर हेड संजय अश्टकर ने बताया कि जिन घरों में बच्चे 8वीं, 9वीं, 10वीं कक्षा में पहुंचे हैं, उन बच्चों को स्कूल की पढ़ाई के साथ-साथ भविष्य में विभिन्न प्रकार के ओलंपियाड प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने हेतु अभी से मार्गदर्शन और फाउंडेशन मजबूत करने की जरुरत होती है। जिसके लिए ये तीन वर्ष सबसे उचित होते हैं, क्योंकि 11वीं कक्षा पहुंचने के बाद फाउंडेशन तैयार करना या कर पाना 80 प्रतिशत बच्चों के लिए बहुत ही कठिन हो जाता है। अतः अब से अपने बच्चों की नींव मजबूत करें।

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में डीएनबी कोर्स शुरू

रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल को आई डिपार्टमेंट के पोस्ट ग्रेजुएशन ट्रेनिंग की परमिशन मिल गयी है, जिसको डीएनबी कोर्स कहा जाता है । अब राज्य के विद्यार्थियों को पोस्ट ग्रेजुएशन करने के लिए या आगे की पढ़ाई करने के लिए राज्य के बाहर जाने की जरुरत नहीं है। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में उनके लिए पीजी सीट उपलब्ध रहेंगी। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में एडवांस्ड मशीनें, अनुभवी एक्सपर्ट्स की टीम जो देश के सर्वोत्तम संस्थान जैसे शंकर नेत्रालय चेन्नई, एलवी प्रसाद हैदराबाद, एम्स दिल्ली से ट्रेंड है। वे टीचिंग और ट्रीटमेंट दोनों के लिए ही हॉस्पिटल में मौजूद रहेंगे।

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. चारुदत्त कलमकार ने बताया है कि ये छत्तीसगढ़ राज्य के लिए बहुत बड़ी सौगात है, क्योंकि इससे स्पेशलिस्ट आई डॉक्टर्स की संख्या में वृद्धि होगी। ताकि दूरस्थ इलाकों में जहां पर स्पेशलिस्ट आई डॉक्टर की कमी है, वहां पर भी आई स्पेशलिस्ट जाकर अपनी सेवाएं दे सकें।

पीएम मोदी ने नांदेड़ राजस्थान में कांग्रेस पर बोला हमला

‘कांग्रेस के शहजादे’ को जिस तरह अमेठी से ‘भागना’ पड़ा था उसी तरह उन्हें केरल के वायनाड को भी छोड़कर भागना पड़ेगा

एजेंसी ▶▶ नांदेड़

पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है और मैं वोटिंग करने वाले सभी लोगों को खासतौर पर पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि विश्लेषण से ये विश्वास पक्का हो रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। पीएम मोदी ने कहा है कि जिस तरह से कांग्रेस के शहजादे को अमेठी से भागना पड़ा था वैसे ही अब वायनाड छोड़कर भाग जाएंगे। राहुल इस बार केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह पहले कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ते थे और 2019 में वे इस सीट से हार गए थे। इस सीट से स्मृति ईरानी ने जीत दर्ज की थी और इस बार भाजपा ने एक बार फिर से स्मृति ईरानी को टिकट दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अबतक अमेठी में उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है।

.पीएम मोदी ने सोनिया गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि कुछ नेता, जो लगातार लोकसभा में जीतकर आते थे, वे इसबार राज्यसभा के रास्ते से अंदर जाकर बैठ गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और खासकर विदर्भ एवं मराठवाड़ा के विकास का दम घोंटने का काम किया है और कांग्रेस के इसी रवैये के कारण यहां किसान गरीब होते गए। उद्योगों से जुड़ी संभावनाएं खत्म होती चली गई और लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा।

पहले चरण के मतदान से गदगद

देश के मतदाता ‘घमंडिया’ गठबंधन को लगातार नकारते जा रहे

इंडी गठबंधन स्वार्थ और भ्रष्टाचार को बचाने एक साथ आया

राहुल गांधी इस बार भी वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे

भाजपा की स्मृति ईरानी ने राहुल को अमेठी से दी थी बड़ी मात

पीएम मोदी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वोटर भी देख रहे हैं कि कैसे इंडिया अलायंस के लोग अपने स्वार्थ में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इसलिए खबर यही है कि पहले चरण में मतदाताओं ने इस गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। पीएम ने आगे कहा कि ये लोग दावा जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेता अपनी हार मान चुके हैं।

कांग्रेस, ऐसी बेल जो सहारा देने वाले को ही सुखा देती है

परभणी में भी पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ‘कांग्रेस एक ऐसी बेल है, जिसकी अपनी न कोई जड़ है, न जमीन है और इसे जो सहारा देता है, उसे ही सूखा देती है। आजादी के समय कांग्रेस ने देश का विभाजन करवा दिया, आजादी के बाद कश्मीर की समस्या खड़ी कर दी। कांग्रेस ने 370 के बहाने बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं होने दिया। पीएम ने कहा यह चुनावसरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है, देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा है।

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान

अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है।

राहुल ने भागलपुर में कहा

सरकार बनी तो खत्म कर देंगे अग्निवीर योजना

भागलपुर। एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा 50 सीटों से ज्यादा नहीं जीतेगी। वे अपने लिए खुद ही बढ़ा चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन जनता उनको इस बात मौका नहीं देगी। इंडिया गुट की सरकार बनीं तो वे पांच तरह की गारंटी फौरन देंगे। ये योजना युवा, किसान, महिला, मजदूर, आशा वर्कर्स और सेना जुड़ा है। उनकी सरकार आते ही हर परिवार की एक महिला के खाते में आठ हजार से ज्यादा रुपये हर महीने डाले जाएंगे।

चित्तौड़गढ़ में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी, कांग्रेस सत्ता का अधिकार खो चुकी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ से उम्मीदवार सीपी जोशी के समर्थन में निम्बाहेड़ा में रोड शो किया। रोड शो निम्बाहेड़ा नगर के रेलवे स्टेशन से शुरू हुआ जो विभिन्न मार्गों से होते हुए शेखावत सर्कल पर पहुंचा। शेखवात सर्कल पर भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण किया। समापन पर जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि साम्प्रदायिक और जातिवाद सोच के कारण देश पहले बहुत नुकसान सह चुका है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में आतंकियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। भगवान राम के लिए कहा जाता था कि भगवान राम पैदा नहीं हुए। जो विरासत और विकास की यात्रा में सहभागी नहीं हो सकते।

एक महिला ने डाला वोट और बन गया रिकॉर्ड

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में स्थित एक बूथ पर वोटिंग का अनोखा रिकॉर्ड बना है। इस सीट पर 100 फीसदी मतदान हुआ है। इस बूथ के लिए मतदान अधिकारी पैदल चलकर 40 किमी पहुंचे थे। मालोगाम में एक महिला रहती है। इसके लिए निर्वाचन अधिकारों ने महिला के घर से पास बूथ बनाया।

तेजस्वी ने 400 सीट को बताया ‘फ्लॉप’

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा के 400 पार वाले नारे पर तंज कसा। यह भाजपा का नारा फ्लॉप हो गया है। इस सपर पलटवार करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जमीन पर काम करने और हवा में दावा करने वालों को जनता जानती है। एनडीए इस बार 400 पार जरूर करेगा।

खबर संक्षेप

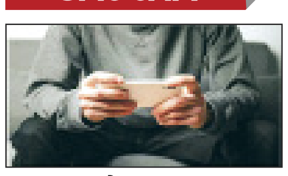

ब्लू व्हेल चैलेंज से यूएसए में भारतीय छात्र की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका में पिछले महीने मार्च में मैसाचुसेट्स विवि में प्रथम वर्ष में पढ़ने वाले 20 वर्षीय भारतीय छात्र की ब्लू व्हेल चैलेंज गेम ने जान ले ली। यह गेम एक आत्मघाती खेल है। इसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है। वह 8 मार्च को मृत पाया गया था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट ने कहा कि मामले की जांच स्पष्ट आत्महत्या के रूप में की जा रही है। पहले छात्र की मृत्यु को एक हत्या बताया था।

इजराइल का राफा पर हवाई हमला, 9 की मौत

राफा। इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन भीषण मोड़ ले रहा है। इजराइल ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफा में फिर से हवाई हमला किया है। इस हमले में कम से कम 9 लोगों की मौके पर मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल ने शुक्रवार देर रात राफा शहर के पश्चिमी तेल सुल्तान इलाके में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया। मालूम हो कि राफा मिस्र की सीमा पर स्थित है। पिछले 24 घंटों में इजराइली हमलों में 37 लोगों की मौत हुई है, जबकि 68 लोग घायल हो गए हैं।

हमले के पीछे इजराइल के होने के सबूत नहीं मिले, दोनों में जुबानी जंग छिड़ी

ईरान की खुली धमकी: बोला- जांच में कुछ मिला तो छोड़ेंगे नहीं, इजराइल ने साधी चुप्पी

अमेरिका भी किसी हमले में शामिल होने से पहले ही कर चुका है इनकार

ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। ईरान अधिकारियों का कहना है कि कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान पर हुए हमले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ होने के सबूत नहीं मिले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमले की कोशिश की, तो ईरान तुरंत और मुंहतोड़ जवाब देगा। वहीं इजराइल की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है।

खास बातें

ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया था

गत दिवस पर ईरान पर हुआ था जोरदार हमला, ईरान जुटा रहा सबूत

ईरान में धमाकों की आवाज

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन ने बताया कि ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया गया था। अमीराब्दोल्लाहियन ने कहा कि वो ड्रोन्स बच्चों के खिलौनों जैसे थे, जिनसे हमारे बच्चे खेलते हैं।

ईरान की इजराइल को धमकी

ईरान के विदेश मंत्री ने इजराइल को धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल फिर से कोई गड़बड़ी करता है तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। ईरान के किसी ठिकाने पर हमले की कोई जानकारी नहीं है।

कुछ उग्रवादियों द्वारा ये ड्रोन्स उड़ाने की आशंका

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इस हमले के पीछे इजराइल के सबूत नहीं मिले हैं। मामले की जांच चल रही है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

यह है ईरान और इजराइल के बीच तनाव का मामला

ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इजराइल पर लगाया था। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इजराइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे। इसके बाद, बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोंस इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाई थीं। वहीं, हाल ही में इस्राइल ने पलटवार किया।

पाक के विनाशक मिसाइल बनाने के प्लान को रोकने अमेरिका ने उठाया बड़ा कदम

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

■ चीन की 3 और बेलारूस की एक कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

अमेरिका ने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रमों के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने पर चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जिन कंपनियों पर पाबंदी लगाई गई है, उनमें मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट, शीआन लोंगडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और ग्रैनपेक्ट कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। ये कंपनियां सामूहिक विनाश के हथियारों के निर्माण व प्रसार में सहयोग देने में लगी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ सामूहिक विनाश के हथियारों के निर्माण व प्रसार को रोकने के किए प्रतिबद्ध है।

चीन कर रहा था आपूर्ति

चीन स्थित शीआन लोंगडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड ने पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए फिलामेंट वाइंडिंग मशीन सहित कई उपकरणों की आपूर्ति की। तियानजिन क्रिएटिव सोर्स कंपनी ने पाकिस्तान को स्टिर वेल्डिंग उपकरण की आपूर्ति की है। इसका उपयोग अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों में उपयोग किए जाने वाले प्रणोदक टैंक के निर्माण के लिए किया जा सकता है। एक अन्य चीनी कंपनी ग्रैनपेक्ट कंपनी लिमिटेड ने बड़े व्यास वाले रॉकेट मोटर्स के परीक्षण के लिए पाक को उपकरणों की आपूर्ति की। इसके अतिरिक्त, ग्रैनपेक्ट ने पाक के राष्ट्रीय विकास परिसर को बड़े व्यास वाले रॉकेट मोटर्स के परीक्षण के लिए उपकरण भी प्रदान किए।

बेलारूस ने दी वाहन की चेसिस

बेलारूस की कंपनी मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए विशेष वाहन चेसिस की आपूर्ति की। इसका उपयोग पाकिस्तान के राष्ट्रीय विकास परिसर द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आयुर्वेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटे तक लगाकर रखेंगे तो वह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप छूट जाए तो पुनः लगा दें।

नीतीश का लालू परिवार पर तंज-बहुत कर दिए, इतना बच्चे पैदा करने चाहिए क्या?

एजेंसी ▶▶ कटिहार

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एक बार फिर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर परिवावाद को लेकर निशाना साधा है। नीतीश ने कटिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लालू एवं राबड़ी देवी का नाम लिए बिना जोरदार हमला बोला।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बहुत पैदा कर दिया, इनते बाल-बच्चे पैदा करने चाहिए किसी को। लालू पर तंज कसते हुए कहा कि पहले खुद सीएम बने, हट गए तो पत्नी को बना दिया। अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे हैं। कहीं पर बेटी को, कहीं पर बेटों को लगा रहे हैं। नीतीश ने डंडखोरा के डुमरिया में जेडीयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अपने विकास गाथा की चर्चा के साथ-साथ अपने संबोधन में अल्पसंख्यकों के लिए कार्य को लोगों के बीच रखा। इशारों में परिवारवाद को लेकर जमकर हमला किया। उन्होंने आरजेडी के बारे में कहा कि यह परिवार किसी का नहीं है, बल्कि अपने परिवार की पार्टी है। उन्होंने लोगों से विकास के मुद्दे पर एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

■ नीतीश ने कटिहार में लालू और राबड़ी का नाम लिए बगैर साधा निशाना

लालू-राबड़ी के शासन को बताया जंगल राज

नीतीश कुमार ने लालू राबड़ी के पंद्रह साल के शासन काल की तुलना जंगल राज से की। उन्होंने लालू-राबड़ी के शासन को जंगल राज की संज्ञा दी। वहीं उन्होंने कहा कि लालू राबड़ी को इतना बच्चा पैदा करना चाहिए? कोई इतना बच्चा पैदा करता है क्या?नीतीश कुमार ने कहा कि अपने बेटा बेटी को टिकट देते हैं। उन्होंने आरडेजी पर मुस्लिमों से छल करने का आरोप लगाया। नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने समाज के हर तबके के विकास के लिया काम किया है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Makeover
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरवा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअक्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553

अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
(राज्य और शहर के प्रसिद्ध 22 सालों से क्षेत्र में अनुभवी)
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
विशेषज्ञ- वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

सत्यनारायण मेमोरियल हेल्थ केयर
डॉ. संजीव कुमार सिंह
एम.बी.बी.एस., डी.एन.बी. (इंटर्नल मेडीसीन)
ग्राउण्ड फ्लोर ऑर्बिट कॉम्प्लेक्स, सुन्दर नगर, रायपुर - 492001

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

विनेश, रीतिका, अंशु ने भारत के लिए हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

एजेंसी ▶▶| बिश्केक

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में दमदार प्रदर्शन के बूते महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया। अंशु मलिक (57 किग्रा) और अंडर-23 विश्व चैंपियन रीतिका (76 किग्रा) ने भी मजबूत प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया।

भारत ने अब पेरिस ओलंपिक के लिए चार कोटे हासिल कर लिए हैं। सबसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि डब्ल्यूएफआई कोटा विजेताओं को भारत का प्रतिनिधित्व करने देता है या राष्ट्रीय कुश्ती टीम चुनने के लिए अंतिम चयन ट्रायल आयोजित करता है।

विनेश का शानदार प्रदर्शन

विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में कजाखस्तान की 19 साल की पहलवान लौरा गानिकिजी ने उनके सामने थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस भारतीय पहलवान ने अपने अनुभव का इस्तेमाल कर युवा प्रतिद्वंद्वी को मात दी।

अंशु की तकनीकी जीत

विश्व चैंपियनशिप 2021 रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उसने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिम्बेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंशु ने सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की लेलोखोव सोबोईरोवा पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की।

निशा हारकर बाहर

सिर्फ एक भारतीय पहलवान निशा दहिया (68 किलो) सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। उन्होंने पहले दौर में उत्तर कोरिया की सोल गुम पाक को 8-3 से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की मीरिम जुमानाजारोवा से हार गई। तीसरे दौर में किर्गिस्तान की येलेना शालिगिना ने उन्हें हरा दिया।

7-0 से जीती रीतिका

अंडर 23 विश्व चैंपियन रीतिका (76 किलो) ने युंजू हवांग को हराया। पहला दौर उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता पर जीता। इसके बाद मंगोलिया की दावानासान एंख एमार को भी इसी तरह से मात दी। चीन की जुआंग वांग के खिलाफ आखिरी ग्रुप मुकाबले में उन्होंने 8-2 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में रीतिका ने चीनी ताइपे की हुई सिज चांग पर आसानी से 7-0 से जीत हासिल की। मानसी अहलावत (62 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई जिसके लिए उन्हें महज एक मुकाबला जीतने की जरूरत थी। उन्होंने कजाखस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6-4 से हराया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	7	6	1	12
हैदराबाद	7	5	2	10
कोलकाता	6	4	2	8
चेन्नई	7	4	3	8
लखनऊ	7	4	3	8
मुंबई	7	3	4	6
दिल्ली	8	3	5	6
गुजरात	7	3	4	6
पंजाब	7	2	5	4
बेंगलोर	7	1	6	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
361 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
13 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर
1051 चौके
618 छक्के

आईपीएल : नटराजन ने 19 रन देकर चटकाए चार विकेट

हैदराबाद की लगातार चौथी जीत, दिल्ली को 67 रन से रौंदा, जेक का रिकॉर्ड बेकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के 35वें मुकाबले में शनिवार को 67 रनों से हरा दिया। यह सनराइजर्स की लगातार चौथी जीत है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 266 रन बनाए। जवाब में दिल्ली जैक फ्रेजर मैकगर्क की तूफानी पारी के बावजूद 19.1 ओवर में 199 रनों पर सिमट गई। हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड ने 32 गेंदों पर 11 चौके और छह छक्कों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि शाहबाज 29 गेंदों पर दो चौके और पांच छक्कों के सहारे 59 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मैकगर्क ने 18 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की मदद से 65 रनों की पारी खेली। हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर चार विकेट लिए। इस जीत के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अंक तालिका में केकेआर को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि दिल्ली की टीम एक स्थान खिसककर सातवें स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद के सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक हो गए हैं। हैदराबाद से आगे फिलहाल राजस्थान रॉयल्स है जिसके सात मैचों के बाद 12 अंक है।

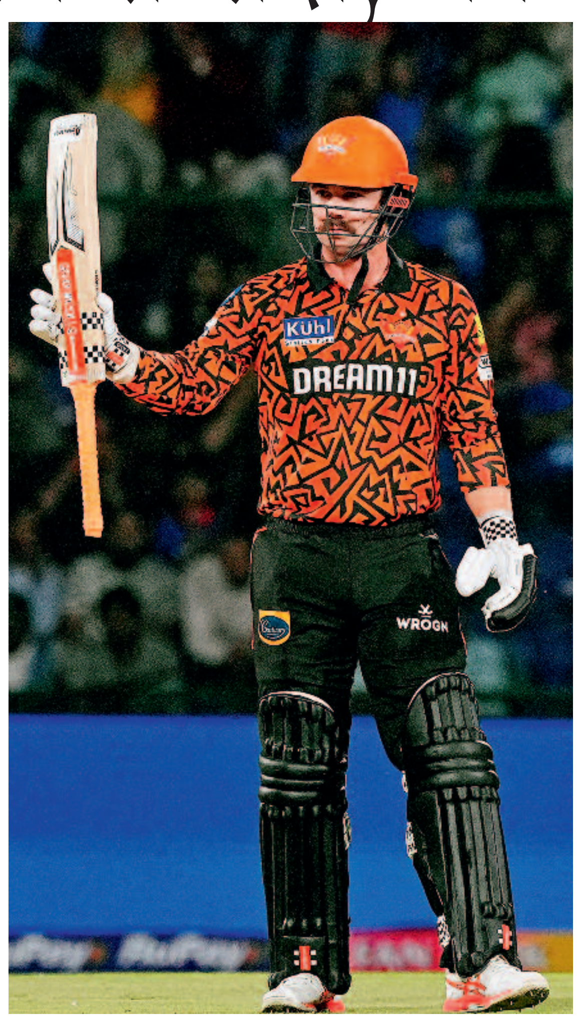

मैकगर्क ने ठोका सत्र का सबसे तेज अर्धशतक

लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 25 रन के स्कोर पर पृथ्वी शॉ और डेविड वॉर्नर के विकेट गंवा दिए थे। मैकगर्क ने तूफानी पारी खेल दिल्ली को संभाला और शानदार बल्लेबाजी करते हुए 15 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। मैकगर्क ने इसी के साथ आईपीएल 2024 का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा और ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा जिन्होंने इस सीजन 16 गेंदों पर पचासा पूरा किया था।

नटराजन ने एक ओवर में झटके तीन विकेट

टी. नटराजन ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की। पैट कमिंस ने 19वां ओवर कराने के लिए नटराजन को भेजा और उन्होंने पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा। अक्षर आठ गेंदों पर छह रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरी गेंद पर नटराजन ने एनरिच नॉर्त्जे को बोल्ड किया जो खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इसकी अगली ही गेंद पर नए बल्लेबाज के तौर पर उतरे कुलदीप यादव को नटराजन ने एलबीडब्लू आउट किया। नटराजन का इस मैच का यह चौथा विकेट था। नटराजन के पास आईपीएल के मौजूदा सीजन की पहली हैट्रिक लेने का अवसर था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके।

हेड ने रचा इतिहास

हेड ने इस दौरान एक खास उपलब्धि हासिल की। हेड आईपीएल में सनराइडर्स हैदराबाद के लिए पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। हेड ने शुरुआती छह ओवरों में 26 गेंदों पर 84 रन बनाए। इससे पहले टीम के लिए पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम था जिन्होंने 2019 में केकेआर के खिलाफ 25 गेंदों पर 62 रन बनाए थे।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हेड बो कुलदीप	89	32	11	6
अभिषेक बो कुलदीप	46	12	2	6
मार्कराम बो कुलदीप	01	03	0	0
हेनरिच क्लासेन बो अक्षर	15	08	0	2
रेड्डी बो कुलदीप	37	27	2	2
शाहबाज अहमद नाबाद	59	29	2	5
समद बो मुकेश	13	08	1	1
पैट कमिंस रन आउट	01	01	0	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 05, कुल : 20 ओवर में 266/7
गेंदबाजी : खलील 3-0-51-0, ललित 2-0-41-0, नोर्किया 3-0-31-0, कुलदीप 4-0-55-4, मुकेश 4-0-57-1, अक्षर 4-0-29-1.

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पृथ्वी बो सुंदर	16	05	4	0
वार्नर बो भुवनेश्वर	01	03	0	0
गुर्क बो मार्कंडेय	65	18	5	7
पोरेल स्टं. क्लासेन बो मार्कंडेय	42	22	7	1
स्टब्स बो रेड्डी	10	11	0	0
पंत बो रेड्डी	44	35	5	1
ललित यादव बो नटराजन	06	08	1	0
अक्षर बो नटराजन	06	08	0	0
एनरिच नोर्किया बो नटराजन	00	02	0	0
कुलदीप पगबाधा नटराजन	00	01	0	0
मुकेश कुमार नाबाद	00	02	0	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 19.1 ओवर में 199/10
गेंदबाजी : सुंदर 2-0-46-1, भुवनेश्वर 4-0-33-1, कमिंस 4-0-35-0, नटराजन 4-0-19-4, मार्कंडेय 2-0-26-2, शाहबाज 1-0-22-0, रेड्डी 2.1-0-17-2.

मनु का शानदार प्रदर्शन अनीश पुरुष वर्ग में जीते

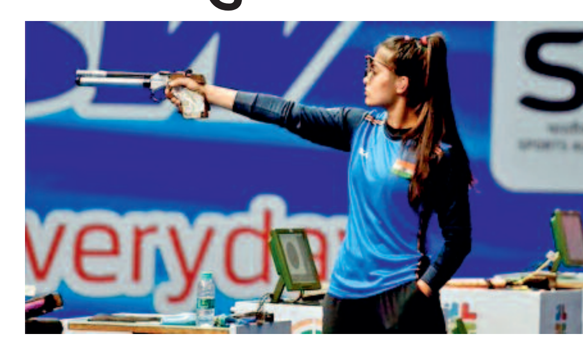

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मनु भाकर ने ओलंपिक चयन ट्रायल वन में महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह अंक से विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जबकि अनीश भानवाला ने पुरुषों का 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल ट्रायल जीता। ओलंपियन मनु ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच रैपिड फायर शॉट की दस सीरिज में 47 अंक बनाए। ईशा सिंह सातवीं सीरिज के बाद बाहर हो गई थी। ईशा अभी भी महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में आगे हैं जिन्होंने क्वालीफाइंग में 585 अंक बनाए। मनु दूसरे स्थान पर है जबकि सिमरनप्रीत, अभिंध्या और रिदम सांगवान उनसे पीछे हैं। पुरुषों के रैपिड फायर पिस्टल में अनीश शीर्ष पर रहे जबकि विजयवीर सिद्धू उनसे छह अंक पीछे रहे।

आदर्श सिंह तीसरे स्थान पर रहे। क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे भावेश शेखावत चौथे और अंकुर गोयल पांचवें स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

लड़कियों को खेलों में बढ़ावा दें : तेंदुलकर

रांची। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अभिभावकों से लड़कियों को खेलों में उतरने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उनके चेहरों पर मुस्कुराहटें लाएंगी। तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि यहां युवा फाउंडेशन की फुटबॉल खिलाड़ी लड़कियों की हौसलाअफजाई के लिए आए हैं। युवा और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर लड़कियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं। तेंदुलकर और अंजलि ने फुटबॉल खिलाड़ियों से बात भी की।

रूड और सिटसिपास सेमीफाइनल में पहुंचे

बार्सीलोना। कैस्पर रूड और स्टेफानोस सिटसिपास ने बार्सीलोना ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और दोनों की टक्कर लगातार दूसरे फाइनल में हो सकती है। रूड ने मात्तेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-3 से हराकर सत्र में 27वीं जीत दर्ज की। वहीं सिटसिपास ने फाकुंडो डियाज को 4-6, 6-3, 7-6 से मात दी। रूड का सामना अब थॉमस मार्टिन ई से होगा जिन्होंने कैमरन नॉरी को 7-6, 7-6 से हराया। वहीं सिटसिपास की टक्कर डुसान लाजोविच से होगी जिन्होंने आर्थर फिल्स को 6-4, 3-6, 6-2 से मात दी।

कैंडिडेट्स शतरंज

डी गुकेश का अलीरजा से आज होगा सामना

टोरंटो। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 13वें दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हराकर खिताब जीतने की अपनी संभावनायें पुख्ता करना चाहेंगे। सफेद मोहरों से गुकेश का यह आखिरी मैच होगा और अलीरजा इस समय सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। गुकेश, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि 7.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। टूर्नामेंट के दो ही दौर बाकी हैं।

नेपोम्नियाश्चि और नकामूरा के बीच होगा। नकामूरा ने लगातार तीन जीत दर्ज की है जबकि नेपाम्नियाश्चि अकेले खिलाड़ी हैं जो 12 मुकाबलों में अपराजेय रहे हैं। फेबियानो कारुआना भी जीत के दावेदारों में से हैं जिनके सात अंक है। उनका सामना भारत के आर प्रज्ञानानंदा से और आखिरी दौर में नेपोम्नयाश्चि से होगा। गुकेश को आखिरी दौर में नकामूरा से खेलना है। प्रज्ञानानंदा के छह अंक है और वह शीर्ष तीन की दौड़ से बाहर हैं। भारत के विदित गुजराती भी पदक की दौड़ में नहीं है।

उथप्पा ने की प्रशंसा

फिटनेस बना मसला पर धोनी का दिमाग चुस्त

लखनऊ। महेंद्र सिंह धोनी के लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के इस महान क्रिकेटर का दिमाग अभी भी उतना ही चुस्त है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनके लंबे सफर पर विराम सिर्फ फिटनेस की वजह से लग सकता है। धोनी ने इस आईपीएल सत्र में जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई के लिए कई मैचों में ताबड़तोड़ रन बनाए हैं।

उथप्पा ने कहा, 'सिर्फ एक ही चीज उन्हें रोक सकती है, स्वास्थ्य। फिटनेस की वजह से ही शायद वे आगे नहीं खेलें। खेल के लिए उनका जुनून काफी गहरा है और वह खेलते रहना चाहते हैं। अगर कुछ उन्हें रोक सकता है तो वह उनका अपना शरीर है। धोनी की आक्रामक पारियों के बारे में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा, 'दर्शकों का शोर और तेज होता जा रहा है। एम एस धोनी की मैदान पर मौजूदगी का यह जलवा है। हर पारी में वह और बेहतर खेल रहे हैं। उनका प्रभाव ऐसा है कि वह मैदान पर उतरते ही गेंदबाजों पर दबाव बनाते हैं।'

60 घंटे शतरंज खेलने का बनाया रिकॉर्ड

न्यूयार्क। नाइजीरिया के शतरंज चैंपियन और अधिवक्ता टुंडे ओनाकोया ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिए न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में 60 घंटे तक लगातार शतरंज खेला। ओनाकोया (29 वर्ष) को बुधवार को शुरू हुए रिकॉर्ड प्रयास के जरिए पूरे अफ्रीका में बच्चों की शिक्षा के लिए 10 लाख डॉलर जुटाने की उम्मीद है। ओनाकाया एक बाल शिक्षा अधिवक्ता हैं, उन्होंने 58 घंटे तक शतरंज खेलने के लिए तैयारी की थी, लेकिन शनिवार सुबह करीब 12:40 बजे 60 घंटे तक शतरंज खेलते रहे।

हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना 2023 के प्रतिभागीयों के नाम

सांत्वना पुरस्कार भावेश राज उके पिता/पति सी.एल. उके , कमरा न-2, आर.डी.ए रायपुर, राजकुमारे लहरे पिता/पति स्व.विश्राम लहरे ,वीर शिवाजी वार्ड खमतराई रायपुर, इशिता सेन पिता/पति जितेन्द्र सेन ,राधाकृष्ण मंदिर के सामने टिकरापारा थाना के पास रायपुर, देवेन्द्र कुमार पटेल पिता/पति श्री शंकर पटेल ,धरम नगर टिकरापारा रायपुर, हेमंत जांगडे पिता/पति लोकेश जांगडे ,राधास्वामी नगर रायपुर, अनुराग सिंह साहू पिता/पति योगेश कुमार साहू ,एच.108 से.1 कशीराम नगर रायपुर, गुलशन कुमार साहू पिता/पति भानु प्रकाश साहू ,प्रकाश फुट वियर संत कबीर दास वार्ड क्र.3 गोगांव रायपुर, चंचल निषाद पिता/पति शिव कुमार निषाद ,सत्यनारायण मंदिर के पास , यादव मोहल्ला टिकरापारा रायपुर, राकेश कुमार मालवीय पिता/पति ओम प्रकाश मालवीय ,बसंत बिहार कॉलोनी म.न .205 न्यू पुरैना रायपुर, रोहित कुमार साहू पिता/पति हरीश कुमार साहू ,मठपुरेना पटेल चौक रायपुर, पुरुषोत्तम राम यादव पिता/पति कांशी राम यादव ,A -117 विनायक सिटी भाठागांव रायपुर, प्रियंका शुक्ल पिता/पति मोहित शुक्ल ,गौरव नगर पंडरी रायपुर, तेमन लाल साहू पिता/पति ब्रिज लाल साहू ,काली बाड़ी चौक रायपुर, लखेश्वर यादव पिता/पति बाबुलाल यादव ,स्वर्ण जयंती चौक लालपुर रायपुर, गोपी देवांगन पिता/पति राधेलाल देवांगन ,दुर्गा चौक मठपारा रायपुर, योगेन्द्र कुमार वर्मा पिता/पति गणेश राम वर्मा ,सेक्टर 1 शिव मंदिर के पास डी.डी. नगर रायपुर, अरुण जामरे पिता/पति सव. झाडू राम जामरे ,गुडलक प्लास्टिक फक्ट्री के पास रायपुर, सुरेख कौशिक पिता/पति रमेश कुमार कौशिक ,सकरी रायपुर, राजेंद्र यादव पिता/पति श्री रतजू यादव ,गायत्री मंदिर पानी टंकी सामुदायिक भवन के पास तेलीबांधा रायपुर, महावीर यादव पिता/पति भारत लाल यादव ,कोटा रोड गोकुल नगर रायपुर, संदीप सोहाने पिता/पति सव.गोविन्द प्रसाद सोहाने ,वाईजी.01 यशविहर निधि किराना के पास रायपुर, अशोक वर्मा पिता/पति स्व.गेंदराम वर्मा ,श्याम नगर रायपुर, दुकल्हा राम यादव पिता/पति स्व.रामाधीन यादव ,काली नगर पंडरी रायपुर, गेंदलाल पवार पिता/पति स्व. जी.आर.पवार ,पुराना चंगोर भाटा रायपुर, देवेन्द्र कुमार चंद्राकर पिता/पति श्री बिसराम चंद्राकर ,छत्तीसगढ़ नगर रायपुर, मलय कान्त चटर्जी पिता/पति स्व. विजय गोपाल चटर्जी ,44/136, बुढापारा रायपुर, सुनीता चौबे पिता/पति संजय कुमार चौबे ,14 /बी एस टी.आर.08 सेक.01 भिलाई जिला दुर्ग, आशीष कुमार साहू पिता/पति चैतराम साहू ,कृष्णा नगर गाँधी चौक वार्ड 8 सुपेला भिलाई जिला दुर्ग, ममता साहू पिता/पति दलीप कुमार साहू ,युवा अंकुश चौक छावनी भिलाई जिला दुर्ग, सौरभ मिश्रा पिता/पति प्रमोद मिश्रा ,कैंप - जलेबी चौक भिलाई जिला दुर्ग, विपिन बोरकर पिता/पति जयप्रकाश बोरकर ,131 बाम्बे आवास वार्ड 05 नेहरू नगर भिलाई जिला दुर्ग, काजल साहू पिता/पति दया राम साहू ,बजरंग पारा कोहका भिलाई जिला दुर्ग, नीलू निषाद पिता/पति रुपेश निषाद ,कुटेलाभाठा जेवर सिरसा दुर्ग जिला दुर्ग, कुमारी बाई ध्रुव पिता/पति बिनोद कुमार ध्रुव ,सुभाष नगर खुर्सीपार भिलाई जिला दुर्ग, जिर्तेंद्र कुमार साहू पिता/पति स्व.जेठू राम साहू ,कुरूद भिलाई जिला दुर्ग, कीर्ति जैन पिता/पति स्व. निर्मल कुमार जैन ,प्रगति नगर स.न.20 जिला दुर्ग, किशुन लाल सोनी पिता/पति स्व. भुवन लाल सोनी ,पुराना स्टेट बैंक इंदिरा नगर वार्ड-15 सुपेला भिलाई जिला दुर्ग, श्रीमती आशा पिता/पति श्री शाजी ,एम आई.जी.-192 सी.जी.एच.बी.दुर्ग जिला दुर्ग, शंकरलाल देवांगन पिता/पति स्व.गरीब लाल देवांगन ,संजय नगर देवांगन परा सुपेला वार्ड 10 भिलाई दुर्ग जिला दुर्ग, आकाश साहू पिता/पति लीला राम साहू ,स.न.2 कुरूद रोड कोहका शिवाजी नगर सुपेला भिलाई जिला दुर्ग, नरेन्द्र कुमार दुबे पिता/पति जी.एल.दुबे ,6 ए /79 /6 भिलाई क्वाटर 6 ए /सड़क 79 /सेक्टर 6 जिला दुर्ग, ब्रिज बिहारी प्रसाद पिता/पति स्व. बद्री प्रसाद ,न्यू कृष्णा नगर मिनी माता चौक सुपेला भिलाई जिला दुर्ग, चन्दु लाल कुम्भकार पिता/पति शिव कुमार कुम्भकार ,कुम्हार पारा जिला धमतरी, भैयालाल जैन पिता/पति तुलिया राम जैन ,तालाकुर्रा जिला कांकेर, खिलेंद्र कुमार साहू पिता/पति राम लाल साहू ,घिरघोल जिला बलौदाबाजार, मनोज यादव पिता/पति स्व.नरेंद्र यादव ,पुराना बाज़ार चौक भाखरा जिला धमतरी, खिलेश सिन्हा पिता/पति तेजराम सिन्हा ,अर्जुनी, देमार जिला धमतरी, नरेन्द्र सिंह चावला पिता/पति हरबन सिंह चावला ,बलदेव बाग राजनादगांव जिला राजनांदगांव, चोवा राम ध्रुव पिता/पति प्रेमलाल ध्रुव ,जोगीडीपा बेलर जिला गरियाबंद, ओमकार सिन्हा पिता/पति पूनम सिन्हा ,राजपुर सरगी जिला धमतरी, टुम्मन लाल साहू ,मुरा,दरबा जिला धमतरी, कृष्ण कुमार साहू पिता/पति मनराखन साहू ,भाखरा जिला धमतरी, सोहन जायसवाल पिता/पति जगदीश राम जायसवाल ,महाराजपुर जिला कवर्धा, लेख राम डहरिया पिता/पति भैया राम डहरिया ,अछोटी,मुरमुंदा जिला दुर्ग, प्रेम नारायण सिन्हा पिता/पति स्व. पुनीत राम सिन्हा ,जालमपुर वार्ड धमतरी जिला धमतरी, आकाश साहू पिता/पति दिलीप साहू ,ग्राम रावनमुड़ा कुरूद जिला धमतरी, प्रतिमा पाण्डेय पिता/पति स्व.घनश्याम पाण्डेय ,माँ दंतेश्वरी फोटो कॉपी कलेक्टर परिसर जिला जगदलपुर, लोकेश पिता/पति पवन ठाकुर ,कन्ने वाडा करहीभदर जिला बालोद, विनोद कुमार कुर्रे पिता/पति जोहन राम कुर्रे ,सोरार गुरुर जिला बालोद, सुश्री हंस मेहता पिता/पति पानाचंद मेहता ,चंचल छाया महावीर कॉलोनी जिला महासमुंद, धनेश कुमार मनहरे पिता/पति कन्हैया लाल मनहरे ,प्रगति नगर भटगांव वार्ड 12 जिला बलौदाबाजार, देवकी यादव पिता/पति संदीप यादव ,जगदलपुर जिला जगदलपुर, किरण यादव पिता/पति पवन यादव ,साल्हे पारा भगत चौक धमतरी जिला धमतरी, संजय कुमार ठाकुर पिता/पति विष्णु राम ठाकुर ,अर्जुन्दा जिला बालोद, दामोदर पाण्डेय पिता/पति गोरखा नाथ पाण्डेय ,बांस पारा आमा तालाब रोड जिला धमतरी, कन्हैया सिन्हा पिता/पति गडहा राम सिन्हा ,पीपरछेड़ी जिला गरियाबंद, महेंद्र कुमार साहू पिता/पति कन्हैया लाल साहू ,चार भाटा नगरी जिला धमतरी, मीना साहू पिता/पति स्व.किशनलाल साहू ,संजय नगर जिला कांकेर, हितेश कुमार छाटा पिता/पति दाऊ लाल छाटा ,अलबेला पारा जिला कांकेर, नेमसिंह भाष्कर पिता/पति नारायण सिंह ,दर्री टोला जिला बालोद, नेगी राम साहू पिता/पति राजा राम साहू ,कुरमा तरई जिला धमतरी, साधना ठाकुर पिता/पति केशव सिंह ,डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव, वकेंश्वर साहू पिता/पति केशव राम साहू ,राजीम जिला गरियाबंद, नरोत्तम विश्वकर्मा पिता/पति गंगाधर विश्वकर्मा ,कोसमगुडा जिला गरियाबंद, उमा सेन पिता/पति सालिक सेन ,बिजली, फिंगेश्वर जिला गरियाबंद।

सांत्वना पुरस्कार की शेष सूची अगले अंक में देखें

राहुल, ऋतुराज पर लगा 12-12 लाख जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर आईपीएल के मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिये 12-12 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ ने अपने मैदान पर खेलते हुए चेन्नई को शुक्रवार को आठ विकेट से हराया। आईपीएल की आचार संहिता के तहत धीमी ओवरगति का इन टीमों का यह पहला अपराध था तो राहुल और ऋतुराज पर जुर्माना लगाया गया।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

ज्वाईनिंग से पहले पोस्टिंग!

आईएएस सोनमणि बोरा सेंट्रल डेपुटेशन से छत्तीसगढ़ लौट आए हैं। ऋचा शर्मा भी अगले महीने आ रही हैं। सामान्य प्रशासन विभाग जल्द ही सचिव स्तर पर नई पोस्टिंग आदेश जारी करेगा। इसमें इन दोनों वरिष्ठ अधिकारियों को पोस्टिंग दी जाएगी। वैसे, ऋचा को छत्तीसगढ़ में ज्वाईनिंग से पहले भी सरकार चाहे तो पोस्टिंग दे सकती है। इससे पहले भी ऐसा हो चुका है। रमन सिंह सरकार की तीसरी पारी यानी 2015 में डॉ0 आलोक शुक्ला को छत्तीसगढ़ लौटने से पहले हेल्थ और फूड जैसे बड़े विभाग का प्रिंसिपल सिकरेट्री अपाइंट कर दिया गया था। तब हमने इसी तरकश में लिखा था कि सरकार ने आलोक का लाल जाजम बिछा कर स्वागत किया। हालांकि, विधानसभा चुनाव 2008 और लोकसभा चुनाव 2009 के दौरान आलोक के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रहते अफसरों के इतने विकेट उड़े थे कि सरकार काफी नाराज हो गई थी। गनीमत रहा आलोक शुक्ला लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद डेपुटेशन पर दिल्ली चले गए। मगर बाद में सरकार से उनके रिश्ते सुधर गए। दिल्ली में अमन सिंह से उनकी मुलाकात हुई और सारे गिले-शिकवे दूर हो गए थे। ये अलग बात है कि मधुरता ज्यादा दिन चली नहीं। कुछ महीने में ही...नॉन घोटाले के बाद सरकार और आलोक के बीच संबंध बिगड़ गए।

डीजीपी की छुट्टी?

छत्तीसगढ़ में लगातार यह दूसरा लोकसभा चुनाव होगा, जब चुनाव आयोग ने किसी बड़े अफसर पर कार्रवाई नहीं की है। जबकि, विधानसभा चुनाव 2023 में आयोग ने दो कलेक्टर और तीन एसपी के साथ कई अफसरों की छुट्टी कर दी थी। बहरहाल, उपर में आलोक शुक्ला का जिक्र हुआ तो लोकसभा चुनाव 2009 का एपिसोड बरबस याद आ गया। उसा दौरान डॉ0 आलोक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी थे। तब चुनाव का ऐलान होते ही बिलासपुर कलेक्टर हटा दिए गए तो उसके बाद डीजीपी विश्वरंजन को चुनाव आयोग ने खो कर अनिल नवानी को उनकी जगह बिठा दिया था। दरअसल, 2009 में विश्वरंजन का जलवा चरम पर था। डीजीपी ओपी राठौर की असामयिक मौत के बाद विश्वरंजन को आईबी से बुलाकर लाया गया था। उस समय वे छत्तीसगढ़ के सबसे सीनियर अफसर थे। चीफ सिकरेट्री पी जाय उम्मेन उनसे पांच बैच जूनियर रहे। पुराने लोगों को याद होगा, विश्वरंजन मंत्रालय पहुंचते थे, तो बड़े-बड़े आईएएस कुर्सी से खड़े हो जाते थे। उनके काफिले में पायलट और फॉलो गाड़ी चलती थी। खैर, बात लोकसभा चुनाव 2009 की। जैसा कि कुछ याद है, निर्वाचन से संबंधित चुनावी मीटिंग में विश्वरंजन ने निर्वाचन के अफसरों को किसी बात पर हड़का दिया था। इसके बाद विश्वरंजन को हटा दिया गया। हालांकि, विश्वरंजन ने एक अंग्रेजी दैनिक अखबार में आर्टिकल लिखा था, जिसमें आईएएस अधिकारियों पर कुछ कमेंट किए थे। अब ये स्मरण नहीं हो रहा कि चुनाव आयोग द्वारा हटाए जाने के बाद उन्होंने ये आर्टिकल लिखा था या हटाने से पहले। मगर कुल जमा सार यह है कि विश्वरंजन को हटा दिया गया। अलबत्ता, आचार संहिता समाप्त होते ही फिर से रमन सरकार ने उन्हें डीजीपी नियुक्त कर दिया था।

पूत, सपूत कैसे?

आईएएस रेणु पिल्ले और पूर्व आईपीएस संजय पिल्ले की बेटी आईपीएस सलेक्ट हुई है। इससे दो साल पहले उनका बेटा अक्षय आईएएस बना था। अक्षय को उड़ीसा कैडर मिला है। छत्तीसगढ़ का यह फर्स्ट अफसर कॅपल होगा, जिनके दोनों बच्चे देश की शीर्षस्थ सर्विस में सलेक्ट हुए हैं। वैसे ऐसे मामले कम ही होते हैं। हालांकि, इसी तरह का एक सुखद संयोग मध्यप्रदेश के 1989 बैच के आईपीएस मुकेश जैन के साथ भी हुआ है। एक बेटा उनका 2021 में आईएएस बना और दूसरा इस बार। नौकरशाही में इसे बड़ा सम्मान के साथ देखा जाता है। क्योंकि, ज्यादतर बड़े अफसरों के बच्चे उनके उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। इसकी वजह यह है कि आईएएस, आईपीएस बनने के बाद माता-पिता जमीन से दो इंच उपर हो जाते हैं तो उनकी संतानें चार इंच। पढ़ाई एक तपस्या है...महंगे, लग्जरी और नावाबी रहन-सहन में ये कतई संभव नहीं। पिताजी लोग दिन-रात डीएमएफ, कमीशन, जमीन, प्लॉट और इंवेस्टमेंट में दो नंबर का पैसा खपाने में लगे रहेंगे तो फिर पूत सपूत कैसे निकलेगा।

मंत्री ने दिया ठेके में विभाग

अभी तक आपने सड़क, बांध जैसे निर्माण कार्यों को ठेके पर दिए जाने की बातें सुनी होगी। मगर छत्तीसगढ़ के एक मंत्री ने अनोखा आईडिया निकालते हुए पूरे विभाग को एक लक्ष्मीपुत्र के हवाले कर दिया है। मंत्रीजी ने सभी तरफ मैसेज करा दिया है...फलां आदमी पूरा काम देखेगा। हालांकि, विभाग का काम जून के बाद ही चालू होगा, मगर वीआईपी चौराहे पर स्थित एक लग्जरी कालोनी में पूरे ऐश्वर्य के साथ रहने वाले लक्ष्मीपुत्र ने सारे सप्लायरों को बुलाकर बताना शुरू कर दिया है...20 परसेंट मंत्रीजी को, 10 परसेंट मेरा...बाकी तुमलोग जानो। उन्होंने एडवांस लेकर अभी से जिले भी अलॉट करना शुरू कर दिए हैं...फलां जिले में सप्लाई ये करेगा तो फलां में वो। जिलों के मुलाजिम परेशान हैं कि सप्लायार जब 30 परसेंट उपर दे देगा तो हमलोगों का क्या होगा? जाहिर है, कुछ-न-कुछ जिलों में भी बंटेगा। फिर बीच में कुछ सरकारी एजेंसियां हैं, वहां के अफसरों को भी चाहिए। याने 100 रुपए के काम में 50 पैसा उपर लेनदेन में बंट जाएगा। अब काम क्या होगा, इसे आप समझ सकते हैं।

तीन सीटों पर फोकस

लोकसभा चुनाव के संदर्भ में छत्तीसगढ़ के सियासी पंडित जो भी आंकलन करें, बीजेपी और संघ ने तीन लोकसभा सीटों पर पूरी ताकत लगा दी है। सबसे टॉप पर जिन तीन सीटों को रखा गया है, उनमें कांकेर, राजनांदगांव और जांजगीर शामिल हैं। इन सीटों पर विशेष तौर से फोकस और प्लानिंग के साथ काम किया जा रहा है। जाहिर है, बीजेपी बाकी आठ सीटों को खतरे से बाहर मानकर चल रही है। बीजेपी के रणनीतिकारों की कोशिश है कि इन तीन में से वोटिंग का डेट आते-आते कम-से-कम दो और क्लियर होने की स्थिति बन जाए। जाहिर है, बीजेपी की टॉप प्रायरिटी वाली तीन सीटों से कांकेर और राजनांदगांव में 26 अप्रैल और जांजगीर में सात मई को वोटिंग होगी।

कांग्रेस 2 से आगे नहीं

छत्तीसगढ़ कांग्रेस का गढ़ रहा है। मगर आप आंकड़ों को देखेंगे तो पता चलेगा सिर्फ विधानसभा चुनाव के मामले में। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हमेशा ठीकठाक सीटें मिलती रही हैं। पिछले 10 चुनावों की बात करें तो सिर्फ एक बार 1991 के लोकसभा चुनाव में, जब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आत्मघाती हमले में मौत हो गई थी, कांग्रेस को 11 की 11 लोकसभा सीटें मिली थी। इसके अलावा सभी लोकसभा चुनावों में बीजेपी को छह, सात, आठ सीटें मिलती रही। यहां तक कि 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी का सूपड़ा साफ हो गया था। 15 साल सत्ता में रहने वाली सरकार 15 सीटों पर सिमट आई थी। तब राजनीतिक समीक्षक भाजपा को पांच से अधिक सीटें नहीं दे रहे थे। मगर नतीजे आए तो बीजेपी की झोली में नौ सीटें थी।

ये भी फैक्ट

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने 1999 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रायपुर में वादा किया था कि आपलोग बीजेपी को जीताएं हम छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनाकर देंगे। तब शायद लोगों को उनके कहे पर उस तरह का एतबार नहीं हुआ। 98 में बीजेपी को सात सीटें मिली थी, इस घोषणा के बाद 99 में सिर्फ एक सीट बढ़ी। यानी 11 में आठ सीट। लेकिन, नवंबर 2000 में अटलजी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन कर दिया तो लोग इतने प्रसन्न हुए कि 2004 से लेकर 2014 तक 11 में 10 सीटें बीजेपी को मिलती रहीं। 2019 में भी इसमें से सिर्फ एक सीट कम हुई है। अब देखना है कि अटलजी ने बीजेपी के पक्ष में छत्तीसगढ़ में हवा का रुख बदला था, वह इस बार बरकरार रहेगा?

अंत में दो सवाल आपसे

1. *सतनामी समाज के गुरू को पार्टी में शामिल करने और उनके बेटे को विधानसभा का टिकिट देने के बाद भी बीजेपी दलित वोटों को क्यों नहीं साध पा रही?*
2. *देश के एक प्रभावशाली औद्योगिक समूह के अफसरों को बुलाकर निर्देश देने वाले बीजेपी के किस बड़े नेता का पर कतर दिया गया?*

अनोखा मंदिर, जहां छिन जाती है पैरों की सारी ताकत!

नई दिल्ली। चीन में मौजूद 'माउंट ताईशान'नाम की जगह पर एक मंदिर है। यहां पहुंचने के लिए लोगों को 6600 से अधिक सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। यहां चढ़ने-उतरने के बाद इंसान की हालत ऐसी हो जाती है कि उन्हें लगता है कि शरीर से उनका पैर ही गायब हो चुका है। उनके घुटने बुरी तरह कांप रहे होते हैं और उनकी हालत रोने जैसी हो जाती है। फिलहाल इस मंदिर से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें खुद लोगों को जूझते हुए देख सकते हैं। कोई सीढ़ियों की रेलिंग पकड़कर उतर रहा है तो कोई डंडा पकड़कर चल रहा है।

शाही बाउली से आती है भूत-जिन्न की आवाजें

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में एक प्रमुख आकर्षण है बड़ा इमामबड़ा। इसके अंदर स्थित शाही बाउली की चर्चा बहुत होती है। क्योंकि, लोगों का मानना है कि इसके अंदर से भूत और जिन्न की आवाजें निकलती हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com